सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 90 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 12 जनवरी 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

नशे में धुत युवक ने पुलिस वाहन में की तोड़फोड़ और सिपाही के साथ की मारपीट, आरोपी गिरफ्तार

कोरबा (ए.)। कोरबा में डायल 112 वाहन में तोड़फोड़ और पुलिस जवान से मारपीट का मामला सामने आया है। मिली जानकारी के अनुसार मारपीट की घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची डायल 112 वाहन में गांव के ही एक आदतन बदमाश युवक द्वारा तोड़फोड़ करते हुए वाहन में तैनात आरक्षक के साथ मारपीट की गई है। पीड़ित जवान ने अपने साथ हुई मारपीट के विरोध और बचाव में आरोपी युवक को भी मौके पर पीट दिया और ग्रामीणों की मदद से जैसे-तैसे आरोपी युवक को वाहन में बैठाकर थाने लाया गया। पूरे मामले का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें नशे में धुत एक युवक पुलिस जवान के साथ मारपीट करता हुआ नजर आ रहा है।

बताया जा रहा कि मारपीट की घटना की सूचना पर डायल 112 की टीम हरदीबाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सिल्ली बोईदा पहुंची हुई थी। मारपीट के आरोपी अनिल नायक को थाने ले जाने के दौरान आरोपी ने पहले डायल 112 वाहन में तोड़फोड़ कर दी उसके बाद वाहन में तैनात आरक्षक जितेंद्र रात्रे के साथ मारपीट शुरू कर दी। बचाव में आरक्षक ने भी आरोपी की मौके पर पीटते हुए वाहन में बैठाया और स्वयं थाने लेकर पहुंचा। मारपीट करने वाला युवक शराब के नशे में धुत था और गांव में लोगों से मारपीट कर रहा था। युवक के उत्पात से घरवाले और गांव के लोग भी परेशान हैं। इससे पहले भी मारपीट और गाली गलौज जैसी घटना को अंजाम दे चुका है।

बदला मौसम का मिजाज, उत्तरी भागों में बारिश के आसार; अब 4 डिग्री तक बढ़ेगा पारा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। सरगुजा संभाग में शीतलहर का कहर जारी है। इसके साथ प्रदेश के मैदानी क्षेत्रों में भी कड़ाके की ठंड पड़ रही है। इसके अलावा सुबह के समय आउटर इलाकों में घना कोहरा छाए हुए रहते हैं। इस बीच अब मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। उत्तरी भागों में आज मौसम विभाग ने बारिश की संभावना जताई है।

प्रदेश में सबसे ठंड इलाका सरगुजा संभाग ही रहा है। संभाग के बलरामपुर में 3.7 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया है। यहां रात का पारा लगातार नीचे जा रहा है, जिससे इन इलाकों में ओस की बूंदे बर्फ में बदल रही है। लोग ठंड से ठिठुर रहे हैं। अलाव ही एक सहारा बना हुआ है। साथ ही रविवार को सरगुजा संभाग के एक दो जगहों पर हल्की मध्यम बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग के अनुसार, छत्तीसगढ़ में अगले तीन दिनों में न्यूनतम तापमान दो से तीन डिग्री बढ़ सकती है। साथ ही 12 और 13 जनवरी को उत्तरी छत्तीसगढ़ यानी सरगुजा संभाग एक दो जगहों पर गरज चमक के साथ वज्रपात और हल्की मध्यम बारिश हो सकती है। साथ ही यहां के जिलों में 13 और 14 जनवरी को मध्यम से घने कोहरा छाने की संभावना है। आगामी तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी होगी, जिससे कड़ाके की ठंड से राहत मिल सकती है। हालांकि उत्तर भागों में बारिश होने से नमी का असर बिलासपुर और रायगढ़ संभाग के कई जिलों में पड़ सकता है। इन इलाकों में ठंड बरकरार रह सकती है। हालांकि अभी इन क्षेत्रों में मौसम ऐसे ही बने रहने की संभावना है।

मौसम विभाग ने प्रदेश में एक दो जगह पर गरज चमक के साथ वज्रपात का अलर्ट जारी किया है। प्रदेश में आगामी दिनों में हल्की मध्यम बारिश हो सकती है।

विदेशों के बाजार में पहुंचेगा छत्तीसगढ़ का चावल

केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा- छत्तीसगढ़ के चावल की होगी वैल्यू एडिशन और ब्रांडिंग

राजधानी रायपुर में हुआ इंडिया इंटरनेशनल राईस समिट कार्यक्रम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के चावल की वेल्यू एडिशन व ब्रांडिंग कर इसे विदेशी बाजारों में पहुंचाने की कवायद शुरू हो गई है। केन्द्रीय खाद्य एवं वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के चावल को अंतराष्ट्री बाजार में पहुंचाना है। राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में आयोजित इंडिया इंटरनेशनल राईस समिट 2025 में केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल वर्चुअली जुड़े और यह बातें कही हैं। कार्यक्रम में शामिल छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने कहा है कि धान के कटोरे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है।

केन्द्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने देश के किसानों के मान एवं सम्मान को बढ़ाने का काम किया है। किसानों की आय को दोगुना करने के लिए किसान हित में फैसले लिए जा रहे है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है। छत्तीसगढ़ में भरपूर मात्रा में धान होता है। यहां के चावल का वैल्यू एडिशन और ब्राडिंग कर इसे दुनिया के बाजारों में पहुंचाने की जरूरत है। इससे किसानों और व्यापारियों को लाभ मिलेगा। उन्होंने किसानों को उन्नत कृषि को अपनाने और पानी की कम खपत वाली फसल लेने की अपील की।

हमारे यहां धान की ढेरों प्रजातियां

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि आज के ही दिन अयोध्या धाम मंदिर में भगवान श्री रामलला विराजे थे। छत्तीसगढ़ माता कौशल्या का मायका और भगवान श्री राम का ननिहाल है। रामलला के विराजमान होने की प्रथम वर्षगांठ पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश और देश की जनता को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि धान के कटोरे छत्तीसगढ़ राज्य में इंडिया इंटरनेशनल राइस समिट का आयोजन छत्तीसगढ़ के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि धान से छत्तीसगढ़ की पहचान पूरे देश में है। अब हमें इस पहचान को अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक ले जाना है। हमारे यहां धान की जितनी प्रजातियां हैं उतनी अन्य कहीं नही है।

केन्द्र व राज्य मिलकर कर रहे किसानों की बेहतरी का काम

केन्द्रीय मंत्री गोयल ने आगे कहा कि केन्द्र सरकार और राज्य सरकार मिलकर किसानों की बेहतरी तथा छत्तीसगढ़ राज्य के तरक्की के लिए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ में राईस मिलर्स प्रमोटर्स द्वारा इंडिया इंटरनेशनल राईस समिट के आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार पोषणयुक्त चावल के उत्पादन पर विशेष ध्यान दे रही है, ताकि किसानों को उनके उत्पादों की अच्छी कीमत मिले। छत्तीसगढ़ में राईस मिलर्स प्रमोटर्स का यह आयोजन छत्तीसगढ़ के किसानों के साथ-साथ प्रदेश के समृद्धि के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा मैं किसान पुत्र

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं एक किसान-पुत्र हूं। मैंने खुद अपने हाथों से हल चलाया है। मुझे खेती का अच्छा अनुभव है। इसलिए मैं ये कह सकता हूं कि हमारे प्रदेश के गांवों में धान की इतनी प्रजातियां हैं, जिनके नाम भी सभी लोगों को नहीं मालूम होगा। जब देश आजाद हुआ उस समय मेरे दादाजी मनोनीत विधायक थे, मगर खेती से हमेशा उनका जुड़ाव रहा। वे जो धान लगाते थे, वह धान इतना खुशबूदार था कि पूरा खेत महकता था। जिस घर में चावल पकता था उसके पास से गुज़रने वालों को सुगन्ध से पता चल जाता था कि चावल बन रहा है। छत्तीसगढ़ की ऐसी प्रजातियों को सामने लाने की जरूरत है।

किसानों के हित में काम कर रही : सरकार

छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में किसानों के हित में काम कर रही है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों को दी जा रही मदद और उनके हित में लिए गए फैसलों से खेती में समृद्धि और किसान खुशहाली आई है। राज्य से चावल के निर्यात को बढ़ावा देने और किसानों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से मंडी शुल्क पूरी तरह से समाप्त कर दिया है। किसानों की बेहतरी के लिए हम छत्तीसगढ़ को ओपन मार्केट बनाने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने राईस मिल प्रमोटर्स से किसानों को उनकी उपज का बेहतर दाम दिलाने का अपील की। कार्यक्रम में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति श्री गिरीश चंदेल, एपीडा के अध्यक्ष अभिषेक देव, आलोक बिसारिया, छत्तीसगढ़ राईस मिलर्स प्रमोटर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मुकेश जैन सहित राईस मिलर्स एवं देश के प्रतिष्ठित स्टेक होल्डर्स उपस्थित थे।

हम अपने किसानों को धान का सर्वाधिक मूल्य दे रहे

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि हम अपने किसानों को धान का सर्वाधिक मूल्य दे रहे हैं। इस वजह से राज्य में खेती का रकबा तो बढ़ा ही है, साथ ही किसानों की संख्या भी बढ़ी है। जहां पहले 24 लाख किसान पंजीकृत थे वहां अब 27 लाख से अधिक किसानों का पंजीयन हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि धान की फसल में कम मेहनत में अच्छा फायदा किसानों को मिलता है। छत्तीसगढ़ के चावल को विदेशों को निर्यात किया जाना चाहिए। मैं निर्यातको से अपील करता हूं कि वे यहां के धान की किस्मों की जानकारी लेकर धान की निर्यात को प्रोत्साहन दे जिससे राज्य के किसान लाभान्वित हो।

बीजापुर में सुरक्षाबल और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, तीन नक्सली ढेर

बीजापुर (ए.)। बीजापुर के नेशनल पार्क क्षेत्र के जंगलों में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर सुरक्षा बल की टीम ने नक्सली विरोधी अभियान शुरू किया। अभियान के दौरान रविवार की सुबह नेशनल पार्क क्षेत्र में पुलिस व नक्सलियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। यह मुठभेड़ अब भी रुक-रुक कर जारी है।

जानकारी के मुताबिक, मुठभेड़ में अब तक तीन नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। ऑटोमेटिक हथियार भी बरामद हुए हैं। मुठभेड़ अभी भी जारी है। भोपालपटनम के मद्देड़ इलाके में बन्देपारा-कोरणजेड के जंगलों में सुरक्षाबल और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो रही है। सुबह से रुक-रूककर गोलीबारी हो रही है।

पुलिस के आला अधिकारियों ने इस मुठभेड़ की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बल सर्च अभियान में जुटे हुए हैं और विस्तृत जानकारी अभियान समाप्त होने के बाद साझा की जाएगी। इस मुठभेड़ में तीन नक्सलियों के मारे जाने की खबर मिल रही है। घटना के बाद से इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। नक्सली गतिविधियों को लेकर इस क्षेत्र में पहले भी कई बार बड़े अभियान चलाए गए हैं। फिलहाल, सर्च अभियान जारी है और सुरक्षा बल पूरी मुस्तैदी के साथ स्थिति को नियंत्रित कर रहे हैं।

मुंगेली कुसुम पावर प्लांट हादसे में आपरेशन मैनेजर, प्रबंधक और इंचार्ज व अन्य के खिलाफ अपराध दर्ज

मृतक के परिजनों की शिकायत पर हुई कार्यवाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुंगेली। सरगांव क्षेत्र में कुसुम प्लांट में साइलो गिरने की दुर्घटना के मामले में मृतक मजदूर के रिश्ते में मामा की शिकायत पर प्लांट के आपरेशन मैनेजर अनिल प्रसाद, प्रबंधक और इंचार्ज अमित केडिया व अन्य के विरुद्ध सरगांव पुलिस ने अपराध क्रमांक 2/2025 धारा 106(1),289,3(5) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। रेस्क्यू कार्य अभी भी जारी है।

जिला मुंगेली थाना सरगांव क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रामबोड़ स्थित कुसुम स्मेल्टर्स प्राईवेट लिमिटेड पॉवर प्लांट में 9 जनवरी को दोपहर करीब 01 बजकर 09 मिनट में प्लांट में रखे भारी सैलो (भंडारण टैंक) अचानक गिरने से 4 व्यक्ति (प्लांट कर्मचारी) सैलो की चपेट में आने से नीचे दब गए। सूचना पर जिला कलेक्टर राहुल देव एवं पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के द्वारा मामले की गंभीरता को देखते हुए सूचना उपरांत तत्काल कुसुम पॉवर प्लांट पहुंचकर घटना स्थल का जायजा लेकर त्वरित पुलिस टीम, रेस्क्यू टीम, स्वास्थ्य विभाग, शासन प्रशासन के समस्त अधिकारी कर्मचारी को राहत कार्य में लगाया गया। मौके में 01 व्यक्ति को रेस्क्यू किया गया जिसे अस्पताल ले जाया गया था जिसकी ईलाज के दौरान मौत हो गई।

मृतक की शिनाख्त मनोज कुमार घृतलहरे पिता चेनाराम उम्र 30 वर्ष साकिन अमेरी अकबरी (दगोरी) जिला बिलासपुर के रूप में की गई। वहीं अवधेश कश्यप (पिता निखादराम कश्यप) निवासी तागा, जांजगीर-चांपा, प्रकाश यादव (पिता परदेशी यादव) निवासी अकोली, बलौदाबाजार तथा जयंत साहू (पिता काशीनाथ साहू) निवासी जबड़ापारा, सरकंडा, बिलासपुर शामिल है। मामले में जानकारी सामने आई कि प्रबंधन के जिम्मेदारों द्वारा सेलों टैंक में लापरवाहीपूर्वक क्षमता से अधिक मात्रा में माल भरना पाए जाने से सेलों टैंक के टूटकर गिरने से पीड़ित मनोज घृतलहरे को आई चोट से इलाज दौरान मृत्यु हो गई। मृतक के मामा की रिपोर्ट पर कुसुम प्लांट के ऑपरेशन मैनेजर अनिल प्रसाद, इंचार्ज अमित केडिया, प्रबंधक एवं अन्य के विरुद्ध अपराध क्रमांक 02/25 धारा 106(1),289,3(5) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। वहीं मृतकों की संख्या बढ़कर चार हो गया है। उक्त सभी मृतकों के शवों को पोस्ट मार्टम के जिए सिम्स हास्पिटल बिलासपुर भेज दिया गया है। जहां मुआवजे की मांग को लेकर पीएम करने नहीं दे रहे थे। प्लांट प्रबंधन के द्वारा 1 लाख का मुआवजा दिए जाने के बाद परिजन शव लेने और अंतिम संस्कार के लिए राजी हुए।

मिली जानकारी के अनुसार प्लांट के 200 कर्मचारी तथा तीन ठेका कंपनियों के 200 कर्मचारी (कुल 400 कर्मचारी) प्लांट में काम करते हैं। जिस साइट पर यह हादसा हुआ वहां चार कर्मचारी कार्यरत थे। हादसे के वक्त लंच टाइम था। अन्यथा जान माल की और भी हानि हो सकती थी। अटेंडेंस रजिस्टर से उपस्थित कर्मचारियों की सूची लेकर जिला प्रशासन द्वारा उन्हें फोन लगाकर उनके सकुशल बाहर होने की तस्दीक की जा रही है।

जब प्रिंसिपल ने उतरवाई छात्राओं की कमीजें

श्रीकंचनपथ

झारखंड के धनबाद स्थित कारमेल स्कूल की प्राचार्य ने 10वीं की करीब 100 छात्राओं की कमीजें उतरवा लीं। इन बच्चों ने एक दूसरे की कमीज पर अपने हस्ताक्षर किए थे तथा संदेश लिखे थे। स्कूल के आखिरी दिन इस तरह एक दूसरे की कमीज पर संदेशे लिखने या हस्ताक्षर करने का चलन काफी पुराना है। अधिकांश स्कूलों में इसे सकारात्मक रूप से ही लिया जाता है। 10वीं के बाद विषय बदलता है और बच्चे बिछुड़ जाते हैं। इसलिए इस दिन वे एक दूसरे की कमीज पर अपनी अव्यक्त भावनाओं को भी लिखते हैं। कुछ स्कूलों में विद्यार्थी अपने टीचर्स के भी सिग्नेचर शर्ट पर हासिल करते हैं। इसे शुभेच्छा के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। कुछ छात्र इन कमीजों को सालों-साल संभाल कर रखते हैं। पर कुछ प्राचीनपंथियों को ये रास नहीं आता। वे न केवल इस पर नाक भौं सिकोड़ते हैं बल्कि विद्यार्थियों को सजा भी देते हैं। धनबाद के स्कूल की प्राचार्य भी एक ऐसी ही महिला निकलीं। पर उन्होंने जो सजा सुनाई वह शर्ट पर हस्ताक्षर करने से भी ज्यादा गंदी थी। 10वीं कक्षा की छात्राओं की शर्ट्स उतरवा लेना एक आपराधिक घटना है। उनके आदेश पर 11वीं की छात्राओं ने अपने जूनियर्स के कपड़े उतारे। यह बदतमीजी की हद है। यह छात्राओं की व्यक्तिगत गरिमा के अधिकार के भी विरुद्ध है। इसे यौन हमला भी कहा जा सकता है। छात्राओं के कपड़े उतारने के बाद उनके घरों से फ्रेश शर्ट मंगवाई गई। जिन छात्राओं के घर से शर्ट नहीं आई वे ब्लेजर में ही अपना शरीर छिपाकर घर लौटीं। इनमें से कुछ छात्राएं मेन्टल ट्रॉमा के दौर से गुजर रही हैं। शायद यह घटना दब भी जाती क्योंकि नामचीन स्कूल वाले मीडिया को मैनेज कर लेते हैं। पर यह दौर सोशल मीडिया का है। यहां कुछ भी नहीं छिपता। हंगामा खड़ा होने के बाद डीसी ने जांच के आदेश दिये हैं। छात्राओं का आरोप है कि जब उनकी कमीजें उतरवाई गईं तो वहां पुरुष शिक्षक भी मौजूद थे। उन्होंने नेशनल कमिशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स में भी शिकायत दर्ज करवाई है। इसके अलावा प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को भी घटना की जानकारी देकर कहा है कि आगे उनके बोर्ड एग्जाम्स होने हैं। इस बीच स्कूल क्या करेगा यह सोच कर भी उन्हें डर लग रहा है। दरअसल, यह मामला परिवर्तन को स्वीकार नहीं करने से जुड़ा हुआ है। स्कूल के अंतिम दिन सहपाठियों की कमीज पर हस्ताक्षर करने की परम्परा दशकों पुरानी है। यह कोई ऐसा अपराध नहीं है जिसके लिए स्कूल प्रबंधन बदतमीजी पर उतर आए। कोई और निजी स्कूल होता तो बच्चों पर फाइन ठोंक दिया जाता। बच्चे अपनी परम्परा निभा लेते और स्कूल को पैसे मिल जाते। पर यौन कुंठा ग्रस्त लोगों का क्या करें? ऐसे ही मानसिक रोगियों से स्कूली बच्चों को सबसे ज्यादा खतरा होता है। ऐसे विकृत लोगों को स्कूलों से दूर ही रखा जाना चाहिए।

संपादकीय

गौमाता सारे संसार की जननी समान

जब से मुसलमान शासक भारत में आए तब से गौवंश की हत्या होनी शुरू हुई। हिन्दू लाख समझाते रहे कि गौमाता सारे संसार की जननी के समान है। उसके शरीर के हर अंश में लोक कल्याण छिपा है और तो और उसके मूत्र-गोबर तक औषधियुक्त हैं, इसलिए उसकी हत्या नहीं, बल्कि पूजन किया जाना चाहिए पर यवनों पर असर नहीं पड़ा। आज भी मूर्खतावश बहुत से मुसलमान गौवंश की हत्या करते हैं। अक्सर यह दोनों धर्मो के बीच विवाद का विषय रहता है। अंग्रेज जब भारत में आए तो उन्होंने हिन्दुओं का मजाक उड़ाया। वे अपने सीमित ज्ञान के कारण समझने में असमर्थ थे कि हिन्दू गौवंश का इतना सम्मान क्यों करते हैं? आजादी के बाद धर्मनिरपेक्षता की राजनीति करने वालों ने भी इस हिन्दू मान्यता पर ध्यान नहीं दिया।

कुछ वर्ष पहले जब सूचना आई कि गौमूत्र का औषधि के रूप में अमेरिका में पेटेंट हो गया है, तो देश में सनसनी पैदा हो गई। योग और आयुर्वेद की तरह पूरी दुनिया जल्द ही गौमाता के महत्त्व को स्वीकारने लगेगी। हमेशा की तरह हम अपनी ही धरोहर को विदेशी पैकेज में कई गुना दामों में खरीदने पर मजबूर होंगे। जिस तरह पेप्सी कंपनी हमारे बाजारों से दो रुपये किलो आलू खरीद कर 250 रुपये किलो के चिप्स बेचती है वैसे ही आने वाले दिनों में गौमूत्र और गोबर सुंदर पैकेजिंग और आकषर्क विज्ञापनों के सहारे सैकड़ों रुपये कीमत पर बिकेगा। शास्त्रीय और वैज्ञानिक आधार पर सिद्ध हो चुका है कि गौमाता के शरीर के हर हिस्से से हम पर कृपा बरसती है।

अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त हृदय विशेषज्ञों ने जोर देकर कहा है कि हृदय रोगियों के लिए देशी गाय का दूध उपयोगी है। देशी गाय के दूध के कण सूक्ष्म और सुपाच्य होते हैं। मस्तिष्क की सूक्ष्मतम नाड़ियों में पहुंच कर मस्तिष्क को शक्ति प्रदान करते हैं। देशी गाय के दूध में केरोटीन (विटामिन-ए) नाम का पीला पदार्थ रहता है, जो नेत्र ज्योति बढ़ाता है। चरक सूत्र स्थान 1/18 के अनुसार, देशी गाय का दूध जीवन शक्ति प्रदान करने वाले द्रव्यों में सर्वश्रेष्ठ है। देशी गाय के दूध में 8 प्रतिशत प्रोटीन, 8 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट और 0.7 प्रतिशत मिनरल (100 आईयू) विटामिन ए और विटामिन बी, सी, डी एवं ई होता है। निघंटु के अनुसार देशी गाय का दूध रसायन, पथ्य, बलवर्धक, हृदय के लिए हितकारी, बुद्धिवर्धक, आयुप्रद, पुंसत्वकारक तथा त्रिदोष (वात, पित्त, कफ) नाशक है। गौघृत खाने से कोलेस्टरोल नहीं बढ़ता।

> “ रूसी वैज्ञानिक शिरोविच के शोधानुसार देशी गाय के घी में मनुष्य शरीर में पहुंचे रेडियोधर्मी कणों का प्रभाव नष्ट करने की असीम शक्ति है। गौघृत से यज्ञ करने से ऑक्सीजन बनती है। देशी गाय के घी को चावल के साथ मिला कर जलाने से (यज्ञ) ईथीलीन ऑक्साइड, प्रोपीलीन ऑक्साइड और फोरमैल्डीहाइड नाम की गैस पैदा होती है। ईथीलीन ऑक्साइड और फारमैल्डीहाइड जीवाणी रोधक हैं, जिनका उपयोग ऑपरेशन थिएटर को कीटाणुरहित करने में होता है।

प्रोपीलीन ऑक्साइड वष्रा करने के उपयोग में आती है अर्थात गौघृत द्वारा किए गए यज्ञ से वातावरण की शुद्धि और वष्रा होना स्वाभाविक परिणाम हैं। भाव प्रकाश निघंटु के अनुसार गौघृत नेत्र हितकारी, अग्निप्रदीपक, त्रिदोष नाशक, बलवर्धक, आयुवर्धक, रसायन, सुगंधयुक्त, मधुर, शीतल, सुंदर और सब घृतों में उत्तम होता है। गौमूत्र में ताम्र होता है जो मानव शरीर में स्वर्ण के रूप में परिवर्तित हो जाता है।

स्वर्ण सर्व रोगनाशक शक्ति रखता है। स्वर्ण सभी प्रकार का विषनाशक है। गौमूत्र में ताम्र के अतिरिक्त लोहे, कैल्शियम, फास्फोरस और अन्य प्रकार के क्षार (मिनरल्स),कार्बोनिक एसिड, पोटाश और लेक्टोज नाम के तत्व मिलते हैं। गौमूत्र में 24 प्रकार के लवण होते हैं, जिनके कारण गौमूत्र से निर्मित विविध औषधियां कई रोगों के निवारण में उपयोगी हैं। गौमूत्र कीटनाशक होने से वातावरण को शुद्ध करता है और जमीन की उर्वरा शक्ति बढ़ाता है। गौमूत्र त्रिदोष नाशक है, किंतु पित्त निर्माण करता है, लेकिन काली देशी गाय का मूत्र पित्तनाशक है। नवयुवकों के लिए गौमूत्र शीघ्रपतन, धातु का पतलापन, कमजोरी, सुस्ती, आलस्य, सिरदर्द, क्षीण स्मरण शक्ति में उपयोगी है। पंचगव्य गौघृत, गौमय, गौदधि, गौदुग्ध, गौमुत्र से मिल कर बनता है। उसका सेवन मिर्गी, दिमागी कमजोरी, पागलपन, पीलिया, बवासीर आदि में उपयोगी है। कैंसर जैसे दुस्साध्य, उच्च रक्तचाप तथा दमा जैसे रोगों में भी गौमूत्र का सेवन उपयोगी सिद्ध हुआ है।

इटली के प्रसिद्ध वैज्ञानिक प्रो. जीई बीगेड ने गोबर के अनेक प्रयोगों द्वारा सिद्ध किया है कि देशी गाय के ताजे गोबर से टीबी तथा मलेरिया के कीटाणु मर जाते हैं। आणविक विकरण से मुक्ति पाने के लिए जापान के लोगों ने गोबर को अपनाया है। गोबर हमारी त्वचा के दाद, खाज, एक्जिमा और घाव आदि के लिए लाभदायक होता है। एक देशी गाय के गोबर से प्रति वर्ष 45000 लीटर बायोगैस मिलती है। बायोगैस के उपयोग करने से 6 करोड़ 80 लाख टन लकड़ी बच सकती है, जो आज जलावन में काम आती है जिससे 14 करोड़ वृक्ष कटने से बचेंगे और पर्यावरण का संरक्षण होगा। गोबर की खाद सर्वोत्तम खाद है, जबकि फर्टिलाइजर से पैदा अनाज हमारी प्रतिरोधक क्षमता को कम करता है। ऐसी तमाम जानकारियों का संचय कर उसके व्यापक प्रचार प्रसार में जुटे युवा वैज्ञानिक सत्यनारायण दास बताते हैं कि विदेशी इतिहासकारों और मार्क्?सवादी चिंतकों ने वैदिक शास्त्रों में प्रयुक्त संस्कृत का सतही अर्थ निकाल कर बहुत भ्रांति फैलाई है। इन्होंने बताने की कोशिश की है कि वैदिक काल में आर्य गौमांस का भक्षण करते थे। यह वाहियात बात है। गौधन' जैसे शब्द का अर्थ अनर्थ कर दिया गया। वैदिक संस्कृति में एक ही शब्द के कई अर्थ प्रयुक्त होते हैं, जिन्हें उनके सांस्कृतिक परिवेश में समझना होता है। विदेशी इतिहासकारों ने वैदिक संस्कृत की समझ न होने के कारण ऐसी भूल की। आईआईटी से बी.टेक. और एम.टेक. करने वाले दास गौसेवा को सबसे बड़ा धर्म मानते हैं। समय की मांग है कि भारत सरकार और प्रांतीय सरकारें गौवंश की हत्या पर कड़ा प्रतिबंध लगाएं। इनके संवर्धन के लिए उत्साह से ठोस प्रयास करें।

छत्तीसगढ़ के साथ विश्व स्तर पर दिख रहा हिन्दी भाषा का प्रभाव

नजरिया

हर वर्ष 10 जनवरी को मनाया जाने वाला विश्व हिंदी दिवस हिंदी भाषा की महत्ता को समर्पित एक विशेष अवसर रहता है। यह दिन हिंदी भाषा के वैश्विक महत्व और उसकी समृद्धि को उजागर करता है। हिंदी जो भारत की राजभाषा है, अब सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली भाषा बन चुकी है।

इस विषय में छत्तीसगढ़ सरकार की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण रहा है, क्योंकि यहां हिंदी भाषा को न केवल सामाजिक और सांस्कृतिक धरोहर के रूप में संरक्षित किया जा रहा है, बल्कि इसे आधुनिक समय की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रोत्साहित किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य में हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए कई ठोस कदम उठाए गए हैं। राज्य सरकार ने विभिन्न योजनाओं और पहलों के माध्यम से हिंदी को जन-जन तक पहुंचाने की कोशिश की है। मुख्यमंत्री साय और उनके मंत्रिमंडल के अन्य सदस्यों ने राज्य में हिंदी के साहित्यिक और सांस्कृतिक महत्व को बढ़ावा देने के लिए कई कार्य किए हैं। राज्य में हिंदी को शिक्षा, प्रशासन और सरकारी कार्यों के माध्यम से प्रमुखता दी गई है। हिंदी में सरकारी दस्तावेजों का प्रचार-प्रसार, योजनाओं की जानकारी और प्रशासनिक कार्यों की संचालन विधि यह सब छत्तीसगढ़ में हिंदी के सम्मान और प्रभाव को बढ़ाते रहे हैं।

शिक्षा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी हिंदी का रहता है महत्वपूर्ण योगदान

छत्तीसगढ़ सरकार ने शिक्षा प्रणाली में भी हिंदी को महत्वपूर्ण स्थान दिया है। राज्य के स्कूलों और विश्वविद्यालयों में हिंदी को अनिवार्य रूप से पढ़ाया जाता है, जिससे छात्रों को अपनी मातृभाषा में सशक्त शिक्षा मिल सके। इसके अलावा हिंदी साहित्य और कविता के अध्ययन के माध्यम से छात्र हिंदी भाषा और संस्कृति से जुड़ते हैं। राज्य सरकार द्वारा आयोजित साहित्यिक कार्यशालाएं, कवि सम्मेलनों और संगोष्ठियों में हिंदी के प्रमुख लेखकों और कवियों को आमंत्रित किया जाता है, ताकि हिंदी साहित्य की समृद्धि और विस्तार हो सके। हिंदी के प्रचार-प्रसार में मीडिया का भी महत्वपूर्ण योगदान है। राज्य के स्थानीय मीडिया जैसे कि टीवी चौनल्स, रेडियो स्टेशन, और समाचार पत्रों ने हिंदी में सूचना और मनोरंजन के माध्यम से सरकारी योजनाओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की जानकारी पहुंचाई है।

हिंदी भाषा छत्तीसगढ़ की लोक साहित्यिक की धरोहर

छत्तीसगढ़ की लोक साहित्य और हिंदी साहित्य के बीच गहरा संबंध है। यहां के लोक साहित्य, गीत और काव्य रचनाएं हिंदी भाषा के माध्यम से ही प्रसारित होती हैं। राज्य सरकार ने लोक साहित्य को संरक्षित करने और उसे बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास किए हैं। लोक कवियों और साहित्यकारों को सम्मानित किया जाता है, और उनके कार्यों को व्यापक रूप से प्रचारित किया जाता है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ सरकार ने हिंदी को व्यावसायिक रूप में प्रोत्साहित करने के लिए सरकारी नौकरियों में हिंदी को प्रमुख भाषा के रूप में अपनाया है। इस प्रकार हिंदी को एक सक्षम और प्रभावशाली भाषा के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

हिंदी भाषा को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए किया जा रहा प्रयास

वही केन्द्र की सरकार न केवल राष्ट्रीय स्तर पर नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए कई कदम उठा रही है। विभिन्न देशों में हिंदी सम्मेलनों और कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है, जिसमें भारत के हिंदी साहित्यकार और संस्कृति प्रेमी भाग लेते हैं। इस प्रकार हिंदी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक सशक्त पहचान मिल रही है।

डिजिटल प्लेटफार्म पर भी दिख रहा हिंदी का प्रभाव

डिजिटल युग में केन्द्र सरकार ने हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए इंटरनेट और डिजिटल प्लेटफार्मों का भरपूर उपयोग किया है। सभी राज्यों की वेबसाइटों, मोबाइल एप्लिकेशनों और सोशल मीडिया पर हिंदी में सेवाएं और जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। इससे राज्य के नागरिकों को उनकी अपनी भाषा में सुविधाएं मिल रही हैं, और सरकारी योजनाओं की जानकारी भी उनके पास सहजता से पहुंच रही है।

हिंदी भाषा में अब हो रहा शोध और अनुसंधान

वही छत्तीसगढ़ राज्य में हिंदी भाषा में शोध और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए कई पहलें की गई हैं। राज्य के विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों में हिंदी साहित्य पर शोध कार्य को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके अलावा हिंदी में लिखी गई किताबों और शोधपत्रों को मान्यता देने के लिए पुरस्कारों और अनुदानों की व्यवस्था की गई है, जिससे हिंदी के समृद्ध साहित्यिक धरोहर का निर्माण हो सके।

हिंदी भाषा का सामाजिक सशक्तिकरण में हो रहा महत्वपूर्ण योगदान

हिंदी भाषा का सामाजिक सशक्तिकरण में भी महत्वपूर्ण योगदान है। छत्तीसगढ़ सरकार ने हिंदी के माध्यम से राज्य के नागरिकों, खासकर महिलाओं, आदिवासी समुदाय और पिछड़े वर्गों को उनके अधिकारों और सामाजिक स्थिति के प्रति जागरूक किया है। हिंदी भाषा ने राज्य में एकता और विविधता के बीच सामंजस्य बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

वैश्विक स्तर पर हिंदी भाषा का दिख रहा प्रभाव

हिंदी केवल भारत में ही नहीं बल्कि अन्य देशों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। जिससे विदेशों में भी हिंदी बोलने वालों की संख्या लगभग लाखों में है। जैसे नेपाल, मॉरीशस, फिजी, ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और अन्य देशों में हिंदी का प्रभाव बढ़ता जा रहा है। इन देशों में भारतीय प्रवासियों की बड़ी संख्या है, जो हिंदी भाषा का उपयोग करते हैं। हिंदी का योगदान केवल एक भाषा के रूप में नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति, समाज और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बन चुकी है। भारत में हिंदी की लोकप्रियता और प्रभाव हर दिन बढ़ रहा है, और यह समाज के हर वर्ग तक पहुंच रही है। छत्तीसगढ़ राज्य की सरकार द्वारा किए गए प्रयासों से हिंदी को बढ़ावा मिल रहा है, और राज्य में हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। हिंदी के वैश्विक प्रभाव और छत्तीसगढ़ सरकार के योगदान से यह स्पष्ट होता है कि हिंदी का भविष्य उज्जवल है, और इसके विस्तार और प्रभाव के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है।

(ये लेखक के विचार हैं)

2050 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन पर पहुंचने का लक्ष्य

वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

वर्ष 2015 का पेरिस जलवायु समझौता धरा के तापमान को औद्योगिक चरण के आने के पहले के स्तर से 2030 तक 2 डिग्री सेल्सियस कम करने के लिए हुआ था। चूंकि पृथ्वी की गर्मी बढ़ाते कुल गैसीय उत्सर्जनों में कार्बन डाई ऑक्साइड लगभग 70 प्रतिशत है।

अत: ग्लोबल वार्मिग को 15 डिग्री से ग्रे तक सीमित रखने के लिए 2050 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन पर पहुंचने का लक्ष्य भी वैश्विक स्तर पर अपना लिया गया है, परंतु विडंबना है, और कटु यथार्थ भी कि इसे पाने के औजार के रूप में एक ट्रेडिंग गतिविधि को महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है।

इसी क्रम में 10-24 नवम्बर के बीच बाकू में कार्बन बाजार पर अंतरराष्ट्रीय मानक स्थापित करना बड़ी उपलब्धि माना गया है। कॉप-29 को तो वित्तीय कॉप भी कहा गया था और कार्बन ट्रेडिंग भी वित्तीय गतिविधि ही है। वायुमंडल में मौजूद कार्बन उत्सर्जनों को हटाने और नये कार्बन उत्सर्जनों को न पहुंचने देना प्रोत्साहित हो इसके लिए 2015 में पेरिस समझौते में स्पष्ट कर दिया गया था कि कार्बन को देशों या संस्थाओं के बीच खरीदा-बेचा जा सकता है। इस लेन-देन को कार्बन क्रेडिट के रूप में परिभाषित कर हस्तांतरणीय दस्तावेज बना कर स्थापित किया गया है। यूनाइटेड नेशंस के क्योटो प्रोटोकोल (1997) और फिर 2005 में कार्बन को खरीदने-बेचने या व्यापार की जा सकने योग्य सामग्री पहले ही करार दिया जा चुका था किंतु पेरिस समझौते के अंतर्गत जो एक नया ज्यादा सुदृढ़ कार्बन ट्रेडिंग फ्रेमवर्क बनाए जाने की आवश्यकता थी, वह शुरुआती हस्ताक्षर के बाद कॉप-29 में हो सका।

निस्संदेह इस अधूरे कार्य के रहते भी देशों के भीतर और देशों के बाहर कार्बन ट्रेडिंग हो रही थी किंतु एकरूप मानक न होने तथा पारदर्शिता के अभाव से अनेकों झूठे कार्बन क्रेडिटों का विश्व स्तर पर लेन-देन भी हो रहा था। ऐसे में लाखों और अरबों डॉलर के भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी भी हुई। स्वैच्छिक कार्बन बाजार में सबसे ज्यादा कार्बन क्रेडिट वो हैं जो अवनत वनों के कार्बन अवशोषक के रूप में सुधार, पुर्नस्थापना के लिए दिए जाते हैं। किंतु ये सबसे ज्यादा विवादों में भी रहते हैं। वन स्थितियों की बेसलाइन में छेड़छाड़ से ज्यादा कार्बन ऑफसेट दिखाया जा सकता है। जितना कार्बन हटाने का क्रेडिट लिया था उतना कार्बन डाइअक्साइड तो उससे हटा ही नहीं था।

कॉप-29 के पहले नेचर पत्रिका में ऐसी परियोजनाओं का अध्ययन प्रकाशित हुआ था, जिन्होंने करीब एक अरब टन कार्बन डाई ऑक्साइड के समतुल्य का कार्बन क्रेडिट कमाया था। उसमें से 15 प्रतिशत कार्बन ही कम किया था। अब खराब और अच्छे गुणवत्ता में कार्बन क्रेडिटों का वर्गीकरण या पहचान भी की जा रही है। कार्बन ट्रेडिंग में कार्बन क्रेडिटों के लेन-देन का व्यापार होता है। कार्बन क्रेडिट की एक इकाई एक मीट्रिक टन कार्बन डाइआक्साइड या उसके समतुल्य अन्य ग्रीन हाऊस गैसों को वायुमंडल से हटाने या उनको वायुमंडल में पहुंचने से रोकने पर दी जाती है। कार्बन ऑफसेट में कार्बन डाइआक्साइड या ग्रीन हाऊस गैसों को हटाया या पुनचर्क्रित किया जाता है। जो उद्यम अथवा प्रतिष्ठान उपकरणों, पद्धतियों या टैक्नोलॅजी के बदलावों से अपने कार्बन उत्सर्जन पहले की अपेक्षा कम कर देते हैं तो वे भी कार्बन क्रेडिट्स पाने के हकदार हो जाते हैं। अभी वैश्विक स्तर पर करीब दो अरब डॉलर का स्वैच्छिक कार्बन मार्केट है। यह एक खरब डॉलर तक भी पहुंच सकता है।

कार्बन क्रेडिटों का उपयोग ही उन्हें यूरोपीय संघ में निर्यात जारी रखने का पात्र बनाएगा क्योंकि यूरोपीय संघ उन उत्पादों के आयात पर भी कार्बन टैक्स लगाने का मंतव्य जतला चुका है, जो उसके अपने मानकों से ज्यादा कार्बन उत्सर्जन से उत्पादित हुए हैं। देशों में पेट्रोल, कोयले जैसे जीवाश्म ईंधनों के उत्पादन बढ़ ही रहे हैं। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर घोषित कार्बन उत्सर्जन कटौती प्रतिबद्धता लक्ष्यों को उनके खरीदे कार्बन क्रेडिट्सों के मुआवजे से ही पूरा करने की जरूरत होगी।

चिंताजनक है कि अधिकांश देश या उद्यम दुनिया के लक्ष्यों के अनुसार अगले दो-तीन दशकों के भीतर ही कार्बन न्यूट्रल तो होना चाहते हैं किंतु इसे कोयला, पेट्रोल जैसे जीवाश्म ईधनों के उपयोगों और उत्पादनों को छोड़ते हुए नहीं करना चाहते, बल्कि इसे अन्यत्र किसी को मिली कार्बन क्रेडिट खरीद कर अपने ज्यादा कार्बन उत्सर्जन की एवज में देकर पूरा करना चाहते हैं। जो प्रतिष्ठान अपने खाते में स्वयं अर्जित या किसी से खरीद कर कार्बन क्रेडिट जोड़ लेते हैं तो उससे वे अपनी कार्यवाहियों के कार्बन फुटप्रिंट कम कर सकते हैं। प्रति इकाई कार्बन क्रेडिटों के बाजार भाव में मांग के अनुसार उतार-चढ़ाव आता रहता है। जब दाम बहुत नीचे गिर जाएंगे तब तो प्रदूषण जारी रखना भी लाभ का सौदा ही रहेगा। तो फिर धनी लोग किसी गरीब देश से जंगल उगवा कर और उससे कार्बन ऑफसेट हासिल कर अपने घातक धरा को गरम करते गैसीय प्रदूषणों को जारी रखेगा। इसके लिए खेती की जमीनों के उपयोग की भी आशंका है। ऐसे में गरीब देशों में खाद्य संकट भी गहरा सकता है।

कार्बन क्रेडिट विक्रेता के कंधे पर चढ़ कर कुछ कार्बन उत्सर्जन पैदा करतीं नामी-गिरामी कंपनियां अपने को नेट जीरो कार्बन और नेगेटिव कार्बन उत्पादक घोषित कर अपनी छवि भी सुधार रही हैं। इसे ग्रीनवॉशिंग भी माना जा सकता है। समझ लीजिए, किराये की कोख से संतान पैदा करवा रही हैं किंतु किसी भी उद्योग द्वारा दूरस्थ कहीं के कार्बन क्रेडिट खरीद कर स्थानीय स्तर पर उत्सर्जन छोड़ते ढें पर काम बदस्तूर जारी रखा जाए यह तो यह न्यायिक नहीं है। स्थानीय कार्बन प्रदूषण पर कटौती करना जनस्वास्थ्य पर होने वाले कुप्रभाव कम करने के लिए आवश्यक है ही। कार्बन क्रेडिट के संदर्भ में मुख्य बात यह है कि अब इसके बड़े-बड़े खरीददार इसका मूल्य भी लगा रहे हैं। अत: कार्बन क्रेडिट अर्जित करना पर्यावरण सुधार के साथ आय का जरिया भी हो सकता है। चाहे लालच हो या कोई अन्य कारण, विश्व में कार्बन क्रेडिट्स यदि बढ़ेंगे तो परिणाम वायुमंडल में गरम करने वाली गैसों का बढना रुकना और कम होना ही होगा। जगह-जगह के ऐसे बड़े-छोटे प्रयास विश्व के कुल कार्बन उत्सर्जन पर कटौती लाते हैं। वायुमंडल किसी जिला, गांव, राज्य या देश की सीमाओं के अधीन तो नहीं है। इससे वैश्विक सकल स्तर पर कार्बन आधारित आर्थिकी तो कम होगी ही।

(ये लेखक के विचार हैं)

लोगों का प्रति महीने उपभोग खर्च बढ़ा

बढ़े उपभोग खर्च में महंगाई की भी एक भूमिका है। सरकार की ओर से मासिक उपभोग खर्च के बारे में जारी आंकड़ों से आंकना कठिन है कि कितना उपभोग बढ़ा और कितनी वृद्धि उपभोग की चीजों की महंगाई के कारण हुई। मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग सर्वेक्षण (एमपीसीई) रिपोर्ट तो कुछ पहले आई थी, लेकिन अब केंद्र ने इसकी एक तथ्य तालिका जारी की है।

इसमें भी वही दिखाने की कोशिश है कि अगस्त 2023 से सितंबर 2024 की अवधि में उसके पहले वाले वर्ष की तुलना में लोगों का प्रति महीने उपभोग खर्च बढ़ा। स्पष्टत: सरकार इसे शहर से गांवों तक में आय और खुशहाली बढने के प्रमाण के रूप में पेश किया है। मगर जो सवाल सर्वे रिपोर्ट जारी होने के समय उठे, उनका कोई जवाब नहीं दिया गया है। विशेषज्ञों ने ध्यान दिलाया है कि सबसे ज्यादा खर्च खाद्य पदार्थों पर बढ़ा। जिस अवधि में यह सर्वे हुआ, उसमें खाद्य मुद्रास्फीति की दर ऊंची रही। फिर पुराने सर्वेक्षणों की तुलना में सर्वे विधि में जो परिवर्तन किए गए, उन्हें ध्यान में रखते हुए यह आंकना और मुश्किल हो गया है कि लोगों के उपभोग पैटर्न में सचमुच कितना बदलाव आया।

खुद ताजा रिपोर्ट से ही जाहिर हुआ कि टॉप 10 प्रतिशत आबादी के उपभोग में पर्याप्त वृद्धि हुई, जबकि सबसे निचली पांच फीसदी आबादी के वास्तविक खर्च में बढ़ोतरी मद्धम रही। निचली आर्थिक श्रेणी की आबादी में जो वृद्धि दिखती है, उसमें बड़ा योगदान सरकार की तरफ से दिए जा रहे पांच किलो अनाज और प्रत्यक्ष नकदी हस्तांतरण योजनाओं का है। जाहिर है, इसे कमाई से होने वाली आमदनी की स्थिति में सुधार नहीं कहा जा सकता। एक अन्य तथ्य यह सामने आया है कि ग्रामीण इलाकों में जो उपभोग खर्च बढ़ा, खाद्य के अलावा उसका सबसे बड़ा हिस्सा इलाज, परिवहन, वस्त्र और जूते-चप्पल के हिस्से में गया।

इन चीजों की लागत में भी महंगाई की एक भूमिका है। इसलिए आंकना कठिन है कि कितना उपभोग बढ़ा और कितनी वृद्धि पहले जितनी चीजों की महंगाई के कारण हुई। ये सारे उल्लेख सरकार की नकारात्मक छवि बनाने के लिए नहीं किए जा रहे हैं। मगर अपने आंकड़ों को लेकर विश्वास का संकट खुद सरकार ने खड़ा किया है। वह सभी दायरों के विशेषज्ञों को लेकर संवाद और विश्लेषण के लिए तैयार हो, तो अविश्वास का हल निकल सकता है। क्या सरकार ऐसा करेगी?

(आरएनएस)

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

खास खबर

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग और सेक्टर-9 चिकित्सालय के संयुक्त तत्वाधान में 08 जनवरी 2025 को प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत ग्राम कोड़िया में नि:शुल्क चिकित्सा षिविर का आयोजन किया गया। ग्राम कोड़िया में आयोजित चिकित्सा शिविर में कुल 96 लोगों की जांच करके उनको दवाई वितरण किया गया, जिसमें 50 पुरूष, 40 महिला तथा 6 बच्चे शामिल थे। प्रातः 10 बजे से प्रारंभ हुए षिविर में सामान्य जांच, शुगर, बीपी जांच के अतिरिक्त नि:शुल्क दवाएं भी प्रदान की गई। इस शिविर में सेक्टर-9 चिकित्सालय से डॉ रौनक दास, डॉ एम सरस्वती एवं सुदेष बाबर, फार्मासिस्ट सुषन जेकब व प्रभा सैमुअल, पंजीयनकर्ता शम्भू दयाल तथा विभाग की ओर से बुधेलाल उपस्थित थे। भिलाई इस्पात संयंत्र अपने आस-पास के परिधीय क्षेत्रों में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की नि:षुल्क सुविधा काफी लंबे समय से उपलब्ध कराता आ रहा है। इसका उद्देष्य दूरस्थ ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर विभाग द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हुए निरन्तर स्वास्थ्य षिविरों का आयोजन, संयंत्र के परिधीय क्षेत्रों तथा खनि नगरियों में किया जा रहा है। स्वास्थ्य षिविरों के आयोजन के क्रम में 09 जनवरी 2025 को डुल्की माइन्स के समीपस्थ ग्राम कमकासुर में चिकित्सा षिविर का आयोजन किया गया, जिससे ग्रामीणजन लाभान्वित हुए।

मेंटेनेंस के लिए टाउनशिप में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी

भिलाई। बीएसपी के नगर सेवाएँ विभाग के अन्तर्गत टाउन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा वार्षिक रखरखाव योजना 2024-2025 के तहत टाउनशिप में विद्युतीय मेंटेनेंस एवं अनुरक्षण कार्य संपादित किये जा रहे हैं। ब्रेकडाउन को कम करने और सिस्टम की दक्षता बढ़ाने के लिए विद्युत सिस्टम के यथोचित रखरखाव पर विशेष जोर दिया जा रहा है। नवम्बर 2024 से मार्च 2025 के दौरान एचटी सिस्टम के निवारक रखरखाव के लिए टाउनषिप के विभिन्न स्थानों में योजनाबद्ध शटडाउन किया जाएगा। इस वार्षिक रखरखाव योजना के अंतर्गत सबस्टेशन, टैपिंग, डीपी और मेंटेनेंस, ओवरहालिंग, ओवर हेड लाइनों का मेंटेनेंस, जम्पर कसना, क्षतिग्रस्त पिन को बदलना, डिस्क इंसुलेटर और लाइटनिंग अरेस्टर, ट्रांसफार्मर का मेंटेनेंस आदि कार्य किये जायेंगे। इस कार्य के तहत टाउनषिप में 13 जनवरी 2025 से 18 जनवरी 2025 के मध्य विभिन्न स्थानों में विद्युत आपूर्ति प्रभावित रहेंगी। तिथि अनुसार प्रभावित होने वाले क्षेत्र हैं:- 13 जनवरी 2025 को जेएलएन हॉस्पिटल, 14 जनवरी 2025 को सेक्टर-07 व 08 का आधा हिस्सा, 15 जनवरी 2025 को सेक्टर-5 व इंदिरा प्लेस, 16 जनवरी 2025 को सेक्टर-06 का एक तिहाई हिस्सा, सेक्टर-02 का आधा हिस्सा व सेक्टर-1, 17 जनवरी 2025 को सेक्टर-07 का आधा हिस्सा, 32 बंगला तथा 18 जनवरी 2025 को सेक्टर-06 का एक तिहाई हिस्सा। उपरोक्त क्षेत्रों में उल्लेखित दिनांकों को प्रातः 10.00 बजे से 1.30 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

संगीत की शिक्षा बच्चों का मानसिक विकास में बेहतरः विजय बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। गीतांजली संगीत शिक्षण समिति के तत्वाधान में संगीत महाविद्यालय ने गत दिवस अपना वार्षिक उत्सव मुख्य अतिथि विजय बघेल सांसद दुर्ग लोकसमा, कार्यक्रम के अध्यक्ष गजेन्द्र यादव विधायक दुर्ग के अतिथ्य में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का प्रारंभ माँ सरस्वती पूजन व छात्र/छात्राओ द्वारा सरस्वती वंदना व स्वागत गान से हुआ। अतिर्थियों का स्वागत समिति के अध्यक्ष श्रीमती रत्ना नारमदेव, सचिव एन. विश्वनाथ, प्रबंधक दिलीप इंगले व समिति के समस्त सदस्यों ने स्वागत किये। वर्षिक उत्सव में शिक्षा प्राप्त छात्र/छात्राओं ने संगीत के सभी विद्याओं का प्रर्दशन किये, कत्थक नित्य, लवधी नित्य, भारत नाट्यम, तबला वादन, सुगम संगीत, शास्त्री गायन, बासुरी वादन, प्रस्तुत कर सभी दर्शाक का मनमोह लिया।

इस अवसर पर महाविद्यालय व समिति का प्रतिवेदन का वाचन प्रबंधन दिलीप इगले ने प्रस्तुत कर महाविद्यालय में आवश्यक संसाधनों के प्रति ध्यान आकृष्ट कराया। उन्होने बताया कि जिले के एक मात्र संगीत महाविद्यालय है जहाँ पर आवश्यक और जरूरी संसाधनो का होना जरूरी है। मुख्य अतिथि विजय बघेल सांसद दुर्ग ने अपने उदबोधन में कहा कि संगीत कि शिक्षा बच्चों को मानसिक विकास में बेहतर

लाभदायक है। साथ ही साथ अनिवार्य शिक्षा के अलावा संगीत शिक्षा व प्रशिक्षण बच्चों को गलत दिशा में जाने से रोकता है और अनुशासन पैदा करने का यह महत्वपूर्ण साधन है। उन्होने समिति को यह आश्वासन दिया है कि आवश्यक जरूरी मुलभूत सुविधाएं प्रदान करने कि पूरी कोशिश कि जायेगी।

कार्यक्रम के अध्यक्षता गजेन्द्र यादव विद्यायक दुर्ग शहर ने अपने उदबोधन में कहा कि शीघ्र ही वर्तमान जगह में संचालित महाविद्यालय के भवन का आवश्यकता के अनुरूप जल्द ही निर्माण कार्य कराये जाने कि बात कही है।

इस अवसर पर साहेब सिंह, कल्यान सिंह, ठाकुर रामविशाल शर्मा, श्रीमती भावना वर्मा, असीम तिवारी, छत्रसाल, गायकवाड़, पोषण लाल साहू, जयंत वर्मा, महेश देवांगन, कार्तिक भोसले, पूर्वा ब्रम्हभट्ट, सी.एल. सेन, भावन सिन्हा, प्रनिता तानस्कर, श्रीमति आरती इंगले, रमेश तिवारी, रमेश यादव एवं वार्ड के गणमान्य नागरिक छात्र/छात्राएं और पालक गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन राजेन्द्र दुबे और आभार प्रदर्शन समिति अध्यक्ष रत्ना नारमदेव ने किया।

वार्डों में बनेंगे सीमेंटीकरण सड़क, विधायक गजेन्द्र यादव के पहल से मिली 99 लाख की स्वीकृति

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग विधानसभा क्षेत्र में 10 स्थानों पर सीमेंटीकरण सड़क बनाने शासन से स्वीकृति मिली है। आवागमन को बेहतर बनाने विधायक गजेन्द्र यादव के पहल से शहर के सभी कच्ची सड़कों को दुरुस्त करने लगातार कार्य किया जा रहा है। नागरिकों के मांग अनुरूप विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की स्वीकृति विष्णुदेव साय सरकार में मिल रही है।

विधायक कार्यालय में भेंट मुलाकात के दौरान क्षेत्र की जनता ने जर्जर सड़क के कारण आने जाने में हो रही समस्या से

अवगत कराते हुए सीसी रोड की मांग किये थे। विधायक गजेन्द्र यादव ने सड़क स्वीकृत होने वाले वार्ड के नागरिकों को शुभकामनायें देते हुए कहा की मान. विष्णुदेव साय के सुशासन में दुर्ग संवर रहा है, डबल इंजन की सरकार दुगुनी गति से प्रदेश को विकास की दिशा में आगे ले जा रही है, यह आप सभी के, भाजपा के ऊपर विश्वास का परिणाम है।

इन कार्यों के लिए मिली स्वीकृति

वार्ड में 01 दो स्थान, वार्ड 02 में 02 स्थान, वार्ड 03 में दो स्थान, वार्ड 49 में 02 स्थान, वार्ड 44 वार्ड 51 में भी सीमेंटीकरण सड़क बनाने अधोसंरचना मद से 99.90 लाख की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई।

शास्त्री जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की 59 वीं पुण्यतिथि आज दि 11.जनवरी स्व बहादुर शास्त्री पार्क में आयोजित की गई। मुख्य अतिथि रवि सिन्हा कार्यपालन यंत्री नगर निगम भिलाई थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में उद्योगपति अजीत सिंह उपस्थित थे। अध्यक्षता नरेन्द्र श्रीवास्तव ने की। सर्वप्रथम शास्त्री जी की प्रतिमा पर अतिथियों के अतिरिक्त, रीना सिंह, टीटू अग्रवाल बीएल असाटी, देवब्रत देवांगन, डा ज्योति शर्मा, दीक्षा केवलानी, घनश्याम अग्रवाल, ममता निबंलकर, एम व्ही एस कुमार, नसरीन, नमिता त्रिपाठी, किशोरगुप्ता, रेणु शर्मा, लीना चन्द्राकर, मंजू असाटी, निर्मला वासुदेवन, स्वाति केवलानी, गणेश तहेकर, श्रीमती मधु गोयल, श्रीमती कविता अग्रवाल श्रीमती निर्मला तहेकर आदि सदस्यों, शास्त्री जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। नरेन्द्र श्रीवास्तव ने विधायक वैशाली नगर रिकेश सेन व्दारा लगभग पैंतीस लाख रुपए से शास्त्री पार्क के सौन्दर्यीकरण कराने की घोषणा की, तथा पार्क का रखरखाव आगामी तीन वर्षों के लिए रोटरी क्लब व्दारा किया जावेगा। विधायक के प्रयास की नरेन्द्र श्रीवास्तव एवं सभी उपस्थित सदस्यों ने सराहना की। वरिष्ठ सदस्य आर के,सिह ने शास्त्री जी के योगदान की चर्चा की। विवेक त्रिपाठी ने पेड़ लगाने की बात की उनके व्दारा लगाए गए पीपल एवं साइकस पेड़ को कटाई करने की निंदा की, योग प्रशिक्षक शैलेन्द्र श्रीवास्तव ने स्वास्थ्य और योग के महत्व की चर्चा की।

सेल स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 24 जनवरी को आयोजित पैदल चाल, दौड़ हेतु पंजीयन प्रारंभ

भिलाई। भारत की इस्पात उत्पादक कंपनी स्टील ऑथोरिटी ऑफइंडिया लिमिटेड- सेल के स्थापना दिवस (24 जनवरी) को सेल की सभी इकाइयों में वृहद रूप से मनाया जाता है। इस उपलक्ष्य में 24 जनवरी 2025 को भिलाई इस्पात संयंत्र में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इस तारतम्य में प्रातः 8:00 बजे से जयंती स्टेडियम, इंदिरा प्लेस में 5 किमी पैदल चाल/दौड़ का आयोजन किया जा रहा है जिसके लिए 12 जनवरी 2025 से पंजीयन प्रारंभ हो रहा है। प्रतियोगिता में महिला एवं पुरुष वर्ग के श्रेणी अ में कक्षा छठवीं तक के बच्चे, श्रेणी ब में कक्षा सातवीं से बारहवीं तक के बच्चे, श्रेणी स में बारहवीं से ऊपर 45 वर्ष तक के, श्रेणी द में 46 वर्ष से 60 वर्ष तक तथा श्रेणी उ में भूतपूर्व कर्मचारी भाग ले सकते हैं। सभी सेल इकाइयों में सर्वश्रेष्ठ समय देने वाले एक धावक और धाविका को 5000 रूपये नगद पुरस्कार तथा सभी सेल इकाइयों में सर्वश्रेष्ठ समय देने वाले 6वीं कक्षा तक के छात्र एवं छात्रा को 3000 रूपये नगद पुरस्कार दिया जाएगा।

बीएसपी में विश्व हिंदी दिवस समारोह का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी के राजभाषा विभाग द्वारा दिनांक 10 जनवरी 2025 को विश्व हिंदी दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस्पात भवन स्थित कार्यपालक निदेशक सभागार में आयोजित इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक पवन कुमार तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक निशा सोनी, मुख्य महाप्रबंधक संदीप माथुर एवं मुख्य महाप्रबंधक उत्पल दत्ता उपस्थित थे।

आयोजन में ऑनलाइन माध्यम से संयंत्र के कार्यपालक निदेशकगण, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारीगण, मुख्य महाप्रबंधकगण, समस्त विभाग प्रमुख, उच्चाधिकारीगण एवं विभागीय हिंदी समन्वय अधिकारीगण सहित हिंदी प्रेमी एवं हिंदी सेवी कर्मचारी व अधिकारी बड़ी संख्या

में उपस्थित थे। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक पवन कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात महाप्रबंधक अमूल्य प्रियदर्शी ने किताब भेंटकर मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथिगण का स्वागत किया। मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक पवन कुमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही कोई भी देश उन्नति कर सकता है और शिक्षा जब अपनी ही भाषा में हो तब सीखने, समझने और याद करने में आसानी होती है। विश्व के बहुतेरे विकसित देश अपनी ही भाषा में शिक्षा देते हैं। हमें भी शिक्षा एवं कार्यालयीन कार्यों में अपनी भाषा हिंदी को अंगीकार करना है, आज हम यही संकल्प लें। उन्होंने समस्त जनों से आह्वान किया कि आप सभी हिंदी के उन्नायक बनें, हिंदी में समस्त कार्य संपादित करें और हिंदी को वैश्विक स्तर पर सर्वोच्च स्थान पर प्रतिष्ठित करने में अपना योगदान दें, विश्व हिंदी दिवस मनाने का हमारा उद्देश्य तभी सार्थक होगा।

महाप्रबंधक अमूल्य प्रियदर्शी ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए संयंत्र स्तर पर कार्मिकों के मध्य हिंदी का प्रचार-प्रसार करने में अग्रणी भूमिका का निर्वहन करने के लिए मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक पवन कुमार के प्रयासों को रेखांकित कर उनका स्वागत किया। उन्होंने अपने-अपने अंचलों में हिंदी में अधिकाधिक कामकाज संपन्न करवाने में विशेष सहायता के लिए कार्यपालक निदेशकगण के प्रति आभार प्रेषित करते हुए उनका स्वागत किया। हिंदी के प्रति समर्पण एवं प्रतिबद्धता का परिचय देते हुए हिंदी को प्रोत्साहन की दिशा में रचनात्मक सहायता करने के लिए उन्होंने विभागप्रमुखगण के प्रति धन्यवाद प्रेषित करते हुए उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में हिंदी भाषा पर काव्य पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें आमंत्रित संयंत्रकर्मी कविगण वरिष्ठ प्रबंधक ओमवीर करन इंजीनियरिंग एसोसिएट राजू कुमार शाह इंजीनियरिंग एसोसिएट ने हिंदी भाषा की वैश्विक स्तर पर व्यापकता, प्रासंगिकता एवं हृदय को छू लेने की विशिष्ट क्षमता पर केन्द्रित स्वरचित कविताओं से समस्त दर्शकों एवं श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया।

सेल शाबाश योजना के तहत सुरक्षा इंजीनियरिंग विभाग के कर्मचारी सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सुरक्षा इंजीनियरिंग विभाग के कर्मचारियों को उनके अभिनव प्रयासों के प्रोत्साहन के लिए 'सेल शाबाश' योजना के तहत सम्मानित किया गया।

11 जनवरी 2025 को मुख्य महाप्रबंधक कार्यालय में आयोजित समारोह में सुरक्षा इंजीनियरिंग विभाग के कर्मचारियों को उनके कठिन और समर्पित कार्य के लिए मुख्य महाप्रबंधक देबदत्त सत्पथी ने प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया और सम्मान प्राप्त सभी कर्मचारियों को प्रोत्साहित करते हुए उनके कार्यक्षेत्र में हासिल की

गई विशेष उपलब्धियों और योगदान के लिए उनकी सराहना की। श्री सत्पथी ने सभी कर्मचारियों को भविष्य में भी इसी जोश और उत्साह के साथ सुरक्षा प्रबंधन के लिए अपने कार्य को जारी रखने का आव्हान किया।

सुरक्षा की संस्कृति को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सुरक्षा इंजीनियरिंग विभाग के कर्मचारियों के उत्कृष्ट कार्य को मान्यता प्रदान कर उन्हें प्रोत्साहित करना समारोह का उद्देष्य था। इस योजना के तहत सहायक प्रबंधक श्री सुमित कुमार को एसएमएस-2 मिक्सर की मरम्मत व निगरानी के लिए, साइट इंसपेक्षन इंजीनियर ऑपरेटिव के आर साहू, आर के बंसल, सुरक्षा नियंत्रण कंट्रोल मैनिंग के लिए जितेंद्र जैन, मनोज जोशी और कुमार तथा एच सी गुप्ता, अब्दुल गफ्फार, डी वी रमन्ना राव को तथा सड़क सुरक्षा के लिए उमेश पांडे, रिकॉर्ड कीपिंग के लिए विजयलक्ष्मी और यामिनी सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर महाप्रबंधक प्रभारी एस के अग्रवाल, महाप्रबंधक एस के महतो भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का समन्वय सहायक महाप्रबंधक शोवन घोष और मनोज देवांगन द्वारा किया गया।

श्री शंकराचार्य महाविद्यालय जुनवानी भिलाई में विश्व हिन्दी दिवस का आयोजन

भिलाई। श्री शंकराचार्य महाविद्यालय भिलाई में आज दिनांक 11-01-2025 को विश्व हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उदेश्य विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा के विश्वब्यापी स्वरूप से परिचित कराना था। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ अर्चना झा ने विद्यार्थियों को बताया कि हिन्दी भाषा का इतिहास 1000 वर्ष पुराना है एवं हमारी मातृभाषा हिन्दी संपूर्ण विश्व में तीसरे नम्बर की भाषा मानी जाती है। हमारी भाषा का शब्द भंडार श्लेषात्मक है। हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ श्रद्धा मिश्रा ने महाविद्यालय के विद्यार्थियों से यह बात साझा करते हुये अत्यत गर्व का अनुभव किया।

खास खबर...

शीघ्रलेखन व मुद्रलेखन कम्प्यूटर कौशल परीक्षा 18 व 19 जनवरी को

रायपुर। शीघ्र लेखन एवं मुद्रलेखन कम्प्यूटर कौशल परीक्षा परिषद लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा कौशल परीक्षा 18 और 19 जनवरी 2025 को आयोजित की जाएगी। शीघ्र लेखन एवं मुद्रलेखन कम्प्यूटर कौशल परीक्षा परिषद सचिव ने बताया कि विभिन्न गति की कौशल परीक्षाओं में से 'अंग्रेजी' मुद्रलेखन गति 5000 की डिप्रेशन प्रतिघंटे के मान से 18 जनवरी शनिवार को तथा 19 जनवरी रविवार को 'हिन्दी' मुद्रलेखन कम्प्यूटर कौशल गति 8000 की डिप्रेशन प्रतिघंटे के मान से 9 चयनित परीक्षा केन्द्रों पर तकनीकी कॉलेजों में उपलब्ध संसाधनों के आधार पर आयोजित की जाएगी। उपरोक्त तिथियों में आयोजित परीक्षा संबंधी विस्तृत जानकारी के लिए परीक्षार्थी परिषद की वेबसाईट https://ctsp.cg.nic.in/ का अवलोकन कर सकते हैं। विभिन्न तिथि में आयोजित परीक्षाओं के लिए केवल नवीन प्रवेश पत्र ही मान्य होगा।

कलाकार कुणाल सिंह 15 जनवरी को छत्तीसगढ़ प्रवास में

रायपुर। चर्चित धार्मिक धारावाहिक रामायण के पात्र लक्ष्मण बॉलीवुड एक्टर कुणाल सिंह राजपूत सोमनी राजनांदगांव के समीप रिएवेरा रिसोर्ट के आधुनिक वाटर पार्क का शुभारंभ करने के लिए 15 जनवरी को छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। इससे पूर्व वे कुम्हारी टोल प्लाजा के पास स्थित लोधेश्वर धाम जायेंगे।

लोधेश्वरधाम के संयोजक व रिएवेरा रिसोर्ट के संचालक लोधी उत्तम वर्मा ने बताया कि डब्ल्यू डब्ल्यू वाटर पार्क जो कि सोमनी राजनांदगांव (पुलिस स्टेशन केपास) तैयार हो चुका है,उद्घाटन करेंगे। बेलोदी स्थित रिवेएरा रिसोर्ट सफलता के साथ संचालित हो रहा है, यंगस्टर्स की मांग पर दूसरे फेज में यह वाटर पार्क शुरु किया जा रहा है। आम लोगों के लिए वाटर पार्क में, स्वीमिंग, म्यूजिकल डांस के साथ साथ,जायकेदार खाना भी उपलब्ध कराया जायेगा। समाज के सचिव प्रहलाद दमाहे ने बताया कि समाज के सदस्य कुणाल सिंह राजपूत का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए लोधेश्वरधाम ले जायेंगे। पश्चात लोधेशवरधाम लोधी क्षत्रिय समाज (महिला) ग्रुप द्वारा सोमनी राजनांदगांव में हल्दी कुंमकुंम (वाण) बांटने, म्यूजिकल गीत - संगीत का कार्यक्रम में सभी शामिल होंगे।

इस दौरान लोधेशवरधाम लोधी क्षत्रिय समाज रायपुर छत्तीसगढ के अध्यक्ष लोधी सुरेश कुमार सुलाखे, संरक्षक मंडल, महिला मंडल के अलावा सभी पदाधिकारीगण मौजूद रहेगे। बॉलीवुड एक्टर कुणाल सिंह राजपूत ने रामानंद सागर की रामायण धारावाहिक में लक्ष्मण की भूमिका निभाकर चर्चा में आए थे। बॉलीवुड एक्टर कुणाल सिंह राजपूत ने रामानंद सागर की रामायण धारावाहिक में लक्ष्मण की भूमिका निभाकर चर्चा में आए थे। इसके बाद तो कई धारावाहिकों व फिल्म में उन्होने काम किया। जय- जय शिव शंकर,एकता कपूर के बालाजी टेलीफिल्म्स के सीरियल में मुख्य हीरो की भूमिका निभाई है। जय जय जय बजरंगबली में भगवान विष्णु का पात्र निभाया। 2010 में ही अभिनेता रजा मुराद के साथ मुख्य हीरो में पहली फिल्म की। वर्तमान में भी 3 फिल्में और 2 वेबसरीज आने के लिए तैयार हैं।

स्वास्थ्य सेवा हर द्वार तक : मोबाइल मेडिकल यूनिट बुजुर्गों के लिए बना वरदान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सुंदर नगर जोन-5 स्थित प्रशामक देखरेख गृह, जो ग्रास रूट सोसाइटी द्वारा संचालित है, में पिछले तीन वर्षों से मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) नियमित रूप से नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रही हैं। एमएमयू विशेष रूप से उन लोगों के लिए बनाई गई है, जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं या अपने दैनिक कामकाज के कारण अस्पताल नहीं जा पाते।

यह वृद्धाश्रम में आयोजित स्वास्थ्य शिविर एमएमयू की उस विशेष पहल का हिस्सा है, जिसके तहत टीम जरूरतमंदों और वंचित वर्गों के लिए विशेष शिविर आयोजित करती है। इसके अतिरिक्त एमएमयू हर सप्ताह रायपुर के स्लम क्षेत्रों में शिविर लगाकर अक्षम और मजदूर वर्ग के लोगों की स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान करती है। इन शिविरों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हर व्यक्ति, चाहे वह वृद्धाश्रम में हो या झुग्गी-झोपड़ी में, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त कर सके।

वृद्धाश्रम में हर महीने आयोजित किए जा रहे शिविर में बुजुर्गों को नि:शुल्क जांच, दवाइयां, लैब टेस्ट और चिकित्सा परामर्श की सुविधा दी जाती है। खासकर ब्लड टेस्ट जैसे एचबीए1सी नियमित रूप से किए जाते हैं, जिससे बुजुर्गों की स्वास्थ्य स्थिति में लगातार सुधार देखा गया है। सावित्री भोई (65) और भूदराम सेन (66) जैसे मरीज, जिन्हें गंभीर फंगल संक्रमण था, अब पूरी तरह स्वस्थ हो चुके हैं। वहीं, अनिल नाशिने (65) का हीमोग्लोबिन स्तर 7 ग्राम से बढ़कर 12 ग्राम हो गया है।

हालांकि एमएमयू एक चलते-फिरते क्लीनिक के रूप में कार्य करता है, वृद्धावस्था में चलने-फिरने में दिक्कत को देखते हुए डॉक्टर और उनकी टीम प्रत्येक बुजुर्ग के बिस्तर तक जाकर उनकी जांच और उपचार करती है। उपचार के बाद भी डॉक्टर और टीम बुजुर्गों के संपर्क में रहती है, जिससे उनकी नियमित देखभाल हो सके।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और उप मुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अरुण साव के मार्गदर्शन में रायपुर में एमएमयू की टीम शहरी और वंचित वर्ग के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए निरन्तर प्रयासरत है। नगर पालिक निगम रायपुर की टीम भी यह सुनिश्चित कर रही है कि इन सेवाओं का लाभ अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक पहुंचे।एमएमयू की यह पहल वृद्धाश्रम के बुजुर्गों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। यह स्वास्थ्य शिविर न केवल इन लोगों को समय पर उपचार उपलब्ध करवा रहे हैं, बल्कि उनके जीवन को आसान और स्वस्थ भी बना रहे हैं।

शासकीय कर्मचारी को हेलमेट व कार सवार को शीट बेल्ट लगाना अनिवार्य

निर्धारित समय पर नहीं पहुंचने पर अब होगी कड़ी कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशों का अब त्वरित अमल हो रहा है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रास सभाकक्ष में कलेक्ट्रेट के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की समस्याओं को सुना। कलेक्टर डॉ. सिंह ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दोपहिया वाहन चलाने के दौरान हेलमेट लगाने एवं कार सवार को शीटबेल्ट लगाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि विभागीय प्रमुख निर्धारित समय पर कार्यालय पहुंचे और कर्मचारियों के भी समय पर निर्धारित समय पर पहुंचना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने सभी विभागों के उपस्थिति रजिस्टर की जांच की और उपस्थिति की जांच की। इस दौरान कलेक्टर ने कहा कि अब समय पर कार्यालय नहीं पहुंचने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि कलेक्ट्रेट में पहुंचने वाले सभी आमजनों के साथ अधिकारी एवं कर्मचारी सहज व्यवहार रखें और कार्यालयों की साफ-सफाई भी रखी जाएं। कलेक्टर ने कहा कि महिला एवं पुरूष टॉयलेट की सफाई समय-समय पर की जाएं।

कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि प्रत्येक शुक्रवार को शाम 5:15 बजे सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति की जांच की जाएगी। अनुपस्थित मिलने पर संबंधित पर कार्रवाई भी की जाएगी। साथ ही प्रत्येक कार्यालय में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के नाम की पट्टिकाएं होना अनिवार्य है।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी प्रत्येक सोमवार एवं गुरूवार को निर्धारित समय पर कार्यालय पहुंचकर आमजनों से मुलाकात करेंगे और उनकी समस्याओं का निराकरण करेंगे। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप भी उपस्थित थे।

शैक्षिक गुणवत्ता बढ़ाने के लिए कलेक्टर ने दिए निर्देश

कवर्धा। जिले के समस्त हाई और हायर सेकेंडरी विद्यालयों के प्राचार्यों की आवश्यक बैठक स्वामी आत्मानंद इंग्लिश स्कूल, दुर्गावती चौक, कवर्धा में कलेक्टर गोपाल वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में शिक्षा विभाग के तहत संचालित योजनाओं और शैक्षिक गुणवत्ता सुधार पर विस्तार से चर्चा की गई।

कलेक्टर श्री वर्मा ने वन नेशन-वन स्टूडेंट अपार आईडी क्रिएशन प्रगति, परीक्षा पे चर्चा 2025 पंजीयन, तंबाकू मुक्त विद्यालय अभियान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को लेकर जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देशित किया कि शैक्षिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए उपचारात्मक शिक्षा पर विशेष जोर दिया जाए। प्रतिदिन 3-3 अध्यायों के टेस्ट और विगत वर्षों के प्रश्नपत्र हल कराने की प्रक्रिया अपनाई जाए। साथ ही, प्रतिभाशाली छात्रों को बेहतर तैयारी के लिए समुचित समर्थन प्रदान किया जाए, ताकि राज्य के टॉप टेन में अधिक से अधिक छात्रों का नाम शामिल हो सके।

उन्होंने जाति प्रमाण पत्र की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने और जेईई व नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए छात्रों को पूर्व वर्ष के प्रश्नपत्रों का अभ्यास कराने पर जोर दिया।

कलेक्टर गौरव सिंह ने ली निर्माण एजेंसियों की बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नई सड़कों का निर्माण गुणवत्तापूर्ण करने और मरम्मत कार्य करने के निर्देश दिए है। इसी पर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कलेक्टोरेट स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में सभी निर्माण एजेंसियों की बैठक ली। कलेक्टर ने निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने राजधानी मुख्य मार्गों एवं ब्रिजों की सड़कों को गुणवत्तापूर्ण निर्माण करने एवं निर्माण के पश्चात जांच कर भुगतान करने के निर्देश दिए है। कलेक्टर ने सड़कों के निर्माण गुणवत्तापूर्ण नहीं होने पर सख्ती के साथ कार्रवाई की बात कहीं और सभी निर्माण एवं मरम्मत कार्य को गुणवत्तापूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि दिसंबर 2024 तक के पूर्व कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए है। साथ ही निर्माण एजेंसी को कार्यों उपरांत तत्काल राशि भुगतान करने के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि सभी निर्माण कार्यों में लेटलतीफी नहीं होनी चाहिए। बिना कोई लेटलतीफी के कार्रवाई शुरू की।

समीक्षा के दौरान कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि शासकीय भवनों के निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। भवनों के निर्माण के बाद रंगाई एवं पुताई के कार्य भी किया जाएं और साफ-सफाई भी निरंतर की जाएं। कलेक्टर ने कहा कि निर्माण कार्यों की प्रगति की रिपोर्ट 10 दिनों के भीतर भेजी जाएं। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप उपस्थित थे।

जिला स्तरीय चयन समिति की बैठक 14 को

बालोद। मिशन वात्सल्य अंतर्गत जिला स्तरीय चयन समिति की बैठक 14 जनवरी 2024 को आयोजित की गई है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग ने बताया कि जिला बाल संरक्षण इकाई व किशोर न्याय बोर्ड एवं चाईल्ड हेल्प लाईन 1098 के रिक्त संविदा पदों की पूर्ति हेतु जिला स्तरीय चयन समिति की बैठक आयोजित की जाएगी। जिला स्तरीय चयन समिति की बैठक अपर कलेक्टर डीआर ठाकुर की अध्यक्षता में 14 जनवरी को जिला कार्यक्रम अधिकारी कक्ष में शाम 4 बजे आयोजित की जाएगी।

इस साल 32 से अधिक परीक्षाएं लेगा व्यापम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) ने विभिन्न विभागों के रिक्त पदों के लिए भर्ती परीक्षा एवं प्रवेश परीक्षाओं के लिए कैलेंडर जारी कर दिया है। व्यापम द्वारा जारी किए गए वार्षिक कैलेंडर में 32 से अधिक परीक्षाओं की संभावित तिथियां दी गई हैं, जिसमें उप अभियंता, सहायक सांख्यिकी अधिकारी, मत्स्य निरीक्षक, एडीईओ से लेकर पुलिस कांस्टेबल, स्टॉफ नर्स, वार्ड ब्वॉय तक के पद शामिल हैं। ये परीक्षाएं 09 मार्च से शुरू हो कर 21 दिसम्बर तक चलेंगी। विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी व्यापम की ऑफिशियल वेबसाइट vyapam.cgstate.gov.in का अवलोकन कर सकते है।

संचालनालय कृषि विभाग के अंतर्गत जिनमें प्रयोगशाला सहायक 09 मार्च और सहायक सांख्यिकी अधिकारी 13 अप्रेल संचालनालय मछली पालन विभाग के अंतर्गत मत्स्य निरीक्षक 23 मार्च लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत उप अभियंता (सिविल एवं वि/यां.), तकनीकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत पी.पी.टी. और प्री.एम.सी.ए. का 01 मई, पी.ई.टी. एवं पी.पी.एच.टी. की परीक्षाएं 08 मई को होगी। पीएटी-प्रीव्हीपीटी 15 मई, प्रीबीएड एवं प्रीडीएलएड 22 मई, बीएससी नर्सिंग 29 मई, एमएससी नर्सिंग और पोस्ट बेसिक नर्सिंग की परीक्षाएं 05 जून 2025 को। इसी प्रकार सहायक विकास विस्तार अधिकारी 15 जून, नगर सैनिक का 22 जून को परीक्षा संभावित है।

लोक निर्माण विभाग में उप अभियंता (सिविल) एवं उप अभियंता (विद्युत/यांत्रिकी) पदों के लिए परीक्षा तिथि 13 जुलाई निर्धारित की गई है। इसी प्रकार जल संसाधन विभाग में उप अभियंता (सिविल) एवं उप अभियंता (विद्युत/यांत्रिकी) पद के लिए परीक्षा 20 जुलाई, आयुक्त आबकारी में आबकारी आरक्षक पद के लिए 27 जुलाई, उच्च शिक्षा संचालनालय में प्रयोगशाला परिचारक पद के लिए परीक्षा 03 अगस्त, मुद्रण तथा लेखन सामग्री विभाग में डार्करूम असिस्टेंट, पेस्टिंग बॉय, ऑग्जीलरी, इंकमैन/इंकर, जूनियर बाईडर, हमाल, सफाई कर्मचारी, चौकीदार, भृत्य, हेल्पर (समूह-6) पदों के लिए परीक्षा 31 अगस्त तथा छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक (अपेक्स बैंक) एवं 06 जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक में कनिष्ठ प्रबंधक-(2) (कंसट्रक्शन, मेंटनेंस), उप प्रबंधक (उपयंत्री), कनिष्ठ प्रबंधक संवर्ग (कृषि विशेषज्ञ), कनिष्ठ प्रबंधक-(2), (आईटी, प्रोग्रामर), कनिष्ठ संवर्ग (आईटी विशेषज्ञ), उप प्रबंधक (प्रोग्रामर) एवं सहायक प्रबंधक (सहायक प्रोंग्रामर) पदों की परीक्षा तिथि 7 सितम्बर 2025 निर्धारित की गई है।

इसी तरह गृह पुलिस विभाग अंतर्गत आरक्षक संवर्ग 14 सितम्बर, स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत स्टाफ नर्स 21 सितम्बर एवं वार्ड ब्वॉय एवं वार्ड आया 12 अक्टूबर और ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक पुरूष एवं महिला 09 नवम्बर को परीक्षाएं आयोजित होगी। मुद्रण तथा लेखन सामग्री विभाग के विभिन्न पदो पर 30 नवम्बर, जल संसाधन विभाग के अंतर्गत अमीन 07 दिसम्बर, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर अंतर्गत अनुवादक 14 दिसम्बर और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत केमिस्ट पदों के लिए 21 दिसम्बर को संभावित परीक्षा तिथि जारी की गई है।

कलेक्टर ने सीएमएचओ कार्यालय का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने रायपुर स्थित मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यालय में उपस्थित रजिस्टर की जांच की और सभी कर्मचारियों को निर्धारित समय पर कार्यालय पहुंचने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने यह भी स्पष्ट किया कि कर्मचारियों को अपने समय की पाबंदी सुनिश्चित करनी होगी ताकि कार्यालय के कार्य बिना किसी रुकावट के चल सकें।

डॉ. सिंह ने आयुष्मान शाखा के संचालन के बारे में भी महत्वपूर्ण निर्देश दिए। वर्तमान में जो आयुष्मान शाखा प्रथम तल पर स्थित थी, उसे अब ग्राउंड फ्लोर में शिफ्ट करने की बात कही। उन्होंने यह कदम उठाने के पीछे मुख्य कारण बताया कि इससे आने वाले हितग्राहियों को कोई कठिनाई नहीं होगी और वे आसानी से अपनी सेवाएं ले सकेंगे। इसके अलावा कलेक्टर ने सीएमएचओ कार्यालय के सभी दरवाजों को कार्यकाल के दौरान खुला रखने का आदेश दिया और यह सुनिश्चित करने की बात कही कि कार्यालय के किसी भी गेट पर पर्दा नहीं लगे। उन्होंने कार्यालय के स्टोर रूम के मरम्मत और प्रशिक्षण परिसर में बाथरूम के निर्माण के लिए विभागीय अधिकारियों को प्रस्ताव भेजने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के सीईओ विश्वदीप, सीएमएचओ डॉ मिथिलेश चौधरी, डीपीएम मनीष मेजरवार उपस्थित रहे।

हनुमान मंदिर गुढियारी का वार्षिकोत्सव 17 से 24 जनवरी तक

रायपुर। हनुमान मंदिर ट्रस्ट द्वारा हनुमान मंदिर वार्षिकोत्सव 17 से 24 जनवरी तक मारुती मंगलम भवन अवधभपुरी मैदान में आयोजित है, वार्षिकोत्सव के दौरान श्रीमद भागवत कथा श्रवण और दिव्य रासलीला का मनभावन आनंद भक्तजनों को प्राप्त होगा। श्री हनुमान मंदिर ट्रस्ट गुढ़ियारी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार वर्ष 2006 में हनुमान मंदिर में राम-जानकी मंदिर की स्थापना के बाद से वार्षिकोत्सव की शुरुआत हुई थी जो निरंतर जारी है। स्थापना वर्ष में कथा वाचक प्रेम भूषण महाराज,जयपुर के यज्ञाचार्य बालकृष्ण शास्त्री और वृंदावन के राकिशन शर्मा की रास लीला का आयोजन किया गया । प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले हनुमान मंदिर वार्षिकोत्सव में अब तक मृदल शास्त्री, अवधेशानंद गिरी,जया किशोरी,डा श्याम सुंदर पाराशर,प्रदीप मिश्रा,बागेश्वर धाम अनिरुद्धाचार्य जी की राम कथा,भागवत कथा,यज्ञ शिवकथा का धार्मिक अनुष्ठान मंदिर ट्रस्ट द्वारा आयोजित किये जाते हैं जिसका लाभ बड़ी संख्या में शहर के साथ ही आसपास के श्रद्धालुजनों को प्राप्त होता है। इस वर्ष यह आयोजन 17 से 24 जनवरी तक हनुमान मंदिर मारुती मंगलम भवन अवधपुरी में किया गया है। श्रीमद भागवत कथा का वाचन वृंदावन के मनोज कृष्ण शास्त्री करेंगे और वृंदावन के स्वामी भुवनेश्वर वशिष्ठ के सानिध्य में दिव्य रासलीला होगी। भागवत कथा दोपहर 3 बजे से प्रारंभ होगी और रसलीला शाम को 7 बजे से शुरु होगी।

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरी फायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंग रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोन: 0788-2225449, 93290-13017

● जीन्स
● टी-शर्ट
● शर्ट
● ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

BIHAR
BOOT HOUSE
Jawahar Market,
Power House
Bhilai 9826181183

हॉल्टर नेक आउटफिट में अनुष्का सेन ने लगाया ग्लैमर का तड़का

छोटे पर्दे से करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस अनुष्का सेन आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी बोल्डनेस और हॉटनेस से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तरीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका ग्लैमरस लुक देखकर फैंस मदहोश हो गए हैं।

एक्ट्रेस अनुष्का सेन अपने फैशन स्टेटमेंट्स के कारण आए दिन सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थक रहे हैं।

तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने हॉल्टर नेक लुक में बेहद ही शानदार ब्लैक कलर का लॉन्ग ड्रेस पहना हुआ है। एक्ट्रेस अपने इस लुक में काफी हॉट एंड सेक्सी लग रही हैं। अनुष्का सेन हमेशा अपने लेटेस्ट लुक से फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। फैंस भी उनके लुक पर से नजरें नहीं हटा पा रहे हैं।

एक्ट्रेस की इन फोटोज को शेयर हुए कुछ ही घंटे हुए हैं और अब तक 3 लाख 44 हजार से भी ज्यादा यूजर्स ने फोटोज पर लाइक्स कर दिए हैं। वहीं, कुछ यूजर्स- फेयरी गर्ल, नाइस, सो क्यूट, अडोरेबल लिख कर कॉमेंट कर रहे हैं। अनुष्का सेन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। बता दें कि सिर्फ इंडिया में ही नहीं उन्हें विदेश में भी लोग फॉलो करते हैं।

इंडस्ट्री भाषाओं की दीवारें तोड़कर टैलेंट को जोड़ रही सम्युक्ता मेनन

आज का भारतीय सिनेमा ऐसे कलाकारों को अपनाने के लिए तैयार है, जो भाषाओं की सीमाओं से परे जाकर काम कर रहे हैं। सम्युक्ता इसका बेहतरीन उदाहरण हैं। मलयालम, तमिल, तेलुगु और कन्नड़ फिल्मों में शानदार काम करने के बाद अब सम्युक्ता बॉलीवुड में फिल्म महारानी से डेब्यू करने जा रही हैं। इस फिल्म में वह काजोल के साथ नजर आएंगी। यह एक एक्शन-ड्रामा फिल्म है, जिसमें सम्युक्ता की भूमिका बहुत खास और दमदार है। यह दिखाता है कि वह किसी भी भाषा में अपनी कला से सबका दिल जीत सकती हैं।

बॉलीवुड में सम्युक्ता का आना यह बताता है कि अब इंडस्ट्री भाषाओं की दीवारें तोड़कर टैलेंट को जोड़ रही है। हाल ही में एक इंटरव्यू में सम्युक्ता ने कहा, मैं हमेशा मानती हूं कि कहानी कहने की कला सबकी होती है और अभिनय की कोई सीमा नहीं होती। यह प्रोजेक्ट मेरे इस विश्वास को और मजबूत करता है।

अपने हर किरदार को गहराई और भावनाओं से निभाने वाली सम्युक्ता आज क्षेत्रीय और बॉलीवुड सिनेमा को जोड़ने वाली कड़ी बन रही हैं। जैसे-जैसे बॉलीवुड पैन-इंडिया दर्शकों से जुड़ने की कोशिश कर रहा है, सम्युक्ता इस बदलाव की अगुवाई कर रही हैं और भारतीय सिनेमा को एकजुट करने में अहम भूमिका निभा रही हैं।

ठंडे पानी की वजह से मौत को

छूकर वापस आईं थीं अमीषा पटेल

जी हां, बॉलीवुड की सकीना यानी अपनी अमीषा पटेल। पता है ठंडे पानी की वजह से वो बेहोश हो गई थीं, वो भी 3 घंटे के लिए। और कुछ लोगों को तो लगा था कि अब वो जिंदा ही नहीं हैं। पर ऐसा क्या हुआ था उनके साथ। जानिए यहां। खुद अमीषा का बताया ये सीक्रेट उनकी मूवी गदर 2 की शूटिंग से जुड़ा था। एक इंटरव्यू में अमीषा पटेल ने बताया कि इस फिल्म ने उन्हें मेंटली और फिजिकली काफी ज्यादा थका दिया था।

एक सीन की बात थी ये

एक्ट्रेस ने उस सीन को लेकर बात की, जब मूवी में उनके ऊपर पानी गिरता है। इसे लेकर उन्होंने पहले ही डायरेक्टर को कहा था कि पानी गर्म होना चाहिए। अमीषा कहती हैं, मैंने अनिल शर्मा से कहा था कि मैं बीमार पड़ जाऊंगी, आप ध्यान रखना कि पानी गर्म हो। उन्होंने कहा था, हां आप चिंता मत करो। जब मैं शूटिंग के लिए गई, तो मैंने एक पतला कॉटन सूट और सलवार पहना था। शूट शुरू होते ही जब पहली बार जब मेरे ऊपर पानी की बौछार गिरी तो, मैं चौंक गई क्योंकि पानी बहुत ठंडा था।

लोगों को लगा कोई अनहोनी हो गई

इतने में उन्हें क्रू मेंबर उठाकर मेकअप रूम में ले गए। इसके बाद उन्हें वार्म रखने की कोशिश की। हालांकि, एक्ट्रेस तीन से चार घंटे तक बेहोश रही थीं। उस समय कुछ लोगों को तो यह लग रहा था कि अमीषा जिंदा ही नहीं हैं। पर अमीषा ने कहा, 4 घंटे के बाद होश आने पर मुझे कुछ नहीं पता था। उस समय सनी देओल मेरे लिए असल जिंदगी के हीरो बनकर आए थे। मेरी जब आंखें खुली तो वो सामने थे और मुझे होश में लाने की तमाम कोशिशों में लगे हुए थे।

राशा थडानी ने अपने डांस मूव्स से मचाया तहलका, जल्द ही सोनी लिव पर सीरीज

लगातार विकसित हो रहे भारतीय सिनेमा में, किसी भी डेब्यूटेंट कलाकार के लिए अपने डेब्यू से ही एक स्थायी छाप छोड़ना बहुत ही दुर्लभ है। मीडिया और फैंस के बीच एक लोकप्रिय चेहरा, राशा थडानी, आगामी फिल्म आजाद के अपने डेब्यू गाने उई अम्मा से तहलका मचा रही हैं।

इस गाने को इसके एनरजेटिक वाइब और राशा के शानदार प्रदर्शन के लिए व्यापक प्रशंसा मिली है। इस गाने ने न सिर्फ लाखों लोगों के दिलों पर कब्जा किया है, बल्कि उन्हें देश भर में सनसनी भी बना दिया है। अमान देवगन, अजय देवगन और डायना पेंटी के साथ अभिनय करने वाली, राशा का बड़े पर्दे पर आना एक शानदार करियर की शुरुआत है।

आजाद का गाना उई अम्मा चार्टबस्टर ट्यून्स को वाइब्रेंट ऊर्जा के साथ मिलाता है, जो दर्शकों के साथ गहराई से जुड़ता है। फिल्म की रिलीज से पहले ही, राशा ने अपने शानदार डांस मूव्स, चार्मिंग एक्सप्रेशन और ऑन-स्क्रीन प्रेजेंस से नेटिजन्स को प्रभावित किया है। उई अम्मा में उनके प्रदर्शन ने फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा किया है, जो फिल्म में उन्हें और अधिक देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

इस गाने पर और भी कई कमेंट्स हैं, जो इसकी मेगा सफलता और दर्शकों के हर वर्ग के बीच राशा थडानी की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाते हैं। राशा के उदय को और भी उल्लेखनीय बनाने वाली बात यह है कि उई अम्मा में उनकी मौजूदगी युवा ऊर्जा का सही मिश्रण लगती है। राशा का प्रदर्शन साबित करता है कि वह एक प्रभावशाली प्रतिभा हैं, जो दर्शकों से जुड़ना जानती हैं। इस गाने को अमित त्रिवेदी ने कंपोज किया है और मधुबंती बागची ने गाया है। अभिषेक कपूर द्वारा निर्देशित यह फिल्म 17 जनवरी, 2025 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फैंस और दर्शकों ने रशा थडानी की खूब तारीफ की है। जबकि कुछ नेटिजन्स ने उनके खूबसूरत एक्सप्रेशन की सराहना करते हुए कहा, क्या डेब्यू गाना है राशा, एक्सप्रेशन और डांस के साथ खूबसूरती, शानदार राशा यकीनन से अगली सुपरस्टार हैं। एक और फैन लिखता है, सो ब्यूटीफुली परफॉर्म, कुड नॉट स्टॉप स्माइलिंग थ्रू आउट, द एक्सप्रेशन्स आर सो गुड! तीसरे फैन ने लिखा है, राशा एनर्जी इन उई अम्मा इज नेक्स्ट लेवल- व्हाट ए डेब्यू। अन्य लोगों ने उनके मनमोहक प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा। फॉर हर डेब्यू दिस सॉन्ग इज एक्सीलेंट हर एक्सप्रेशन इज अन्दर लेवल। एक और लिखता है, राशा के डेब्यू में उई अम्मा जैसा सॉन्ग तो चेरी ऑन टॉप है, राशा ने अपने डांस मूव्स से उई अम्मा को और भी जबरदस्त बना दिया है।

मौत के जोखिम को कम करने के लिए इस समय पीएं कॉफी

कई लोग अपनी दिन की शुरुआत कॉफी से करना पसंद करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसका हमारे शरीर पर कैसा असर पड़ता है? इस बात का पता लगाने के लिए ही वैज्ञानिकों द्वारा कई तरह के अध्ययन किए गए हैं। हालांकि, नए अध्ययन में पाया गया है कि कॉफी पीने से मिलने वाले लाभ इस बात पर निर्भर करते हैं कि आप इसे कब पीते हैं।

कॉफी पीने के समय पर ध्यान देना है जरूरी- डॉक्टर लू

एक अध्ययन के मुताबिक, अगर व्यक्ति कॉफी का सेवन सुबह के समय तक सीमित रखता है तो इससे समय से पहले मृत्यु आने का खतरा कम हो सकता है। अध्ययन के प्रमुख लेखक डॉक्टर लू क्यूई ने एक प्रेस रिलीज में कहा, यह कॉफी पीने का समय स्वास्थ्य परिणामों का परीक्षण करने वाला पहला अध्ययन है। हम अमूमन आहार के समय के बारे में सलाह नहीं देते, लेकिन शायद हमें इस बारे में सोचना चाहिए।

कॉफी और बीमारियों का संबंध

प्रतिभागियों द्वारा समय के साथ कॉफी के सेवन की जांच करने वाले अधिकांश पिछले अध्ययनों में पाया गया है कि मध्यम स्तर की कॉफी की खपत टाइप-2 मधुमेह, हृदय संबंधी बीमारियों और समय से पहले मृत्यु के कम जोखिम से जुड़ी हो सकती है। हालांकि, लेखकों का कहना है कि आनुवंशिकी या अधिक कॉफी पीना जैसे कारक इस संबंधों को प्रभावित करते हैं या नहीं। इसके वैज्ञानिक प्रमाण विवादास्पद रहे हैं।

इस तरह से किया गया अध्ययन

इस अध्ययन के लेखकों ने साल 1999 से 2018 तक आयोजित राष्ट्रीय स्वास्थ्य और पोषण परीक्षा सर्वे से 18 वर्ष और उससे अधिक आयु के 40,725 वयस्कों के आहार और स्वास्थ्य डाटा का अध्ययन किया। इसमें लेखकों ने लाइफस्टाइल वैलिडेशन स्टडी के महिला और पुरुष दोनों संस्करणों से 1,463 वस्यकों के एक उपसमूह को भी शामिल किया, जिन्होंने एक सप्ताह का आहार रिकॉर्ड पूरा किया था और इसमें कैफीनयुक्त और बिना कैफीन वाले पेय शामिल थे।

सुबह के समय कॉफी पीने से इन चीजों का खतरा होगा कम

अध्ययन के लेखकों ने आहार रिकॉर्ड के साथ समय को तीन अवधियों में शामिल किया था, जिसमें सुबह 4 बजे से 11:59 बजे तक, दोपहर 12 बजे से शाम 04:59 बजे तक और शाम 5 बजे से सुबह 03:59 बजे थे। इससे लेखकों ने पाया कि सुबह के समय कॉफी पीने से समय से पहले मृत्यु का जोखिम 16 प्रतिशत कम होता है और हृदय रोग से मरने का जोखिम 31 प्रतिशत तक कम होता है।

निष्कर्ष के लिए लेखकों ने इन कारकों पर दिया ध्यान

लेखकों का कहना है कि पूरे दिन कॉफी पीने वालों में ये जोखिम कम नहीं दिखे। इस निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए लेखकों ने नींद के घंटे, उम्र, लिंग, पारिवारिक आय, शिक्षा, शारीरिक गतिविधि के स्तर, आहार समेत मधुमेह, उच्च रक्तचाप और उच्च कोलेस्ट्रॉल आदि स्वास्थ्य स्थितियों जैसे कारकों को ध्यान में रखा है। हालांकि, कॉफी पीने वाले रोजाना सिर्फ एक कप कॉफी पीएं, तभी उससे आपको भरपूर फायदे मिलेंगे।

दांतों को प्लाक और कैविटी जैसी समस्याओं से दूर रखने अपनाएं ये तरीके

दांतों के स्वास्थ्य पर ध्यान देना रोजमर्रा के जीवन का अहम हिस्सा होना चाहिए। स्वस्थ दांत हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं। इनकी देखभाल में सही तरीके से ब्रश करना, माउथवॉश का उपयोग, चीनी का सेवन कम करना, डेंटिस्ट के पास नियमित जांच कराना और धूम्रपान व तंबाकू छोड़ना शामिल है। इन उपायों को अपनाकर आप अपने दांतों को लंबे समय तक स्वस्थ रख सकते हैं और अपनी मुस्कान को चमकदार बनाए रख सकते हैं।

सही तरीके से ब्रश करें

दांतों की सफाई के लिए सही तरीके से ब्रश करना बहुत जरूरी है।

दिन में कम से कम दो बार, सुबह और रात को सोने से पहले ब्रश जरूर करें। ब्रश करते समय ध्यान रखें कि आप हल्के हाथों से गोल-गोल घुमाते हुए ब्रश करें ताकि मसूड़ों को नुकसान न पहुंचे। टूथपेस्ट में फ्लोराइड होना चाहिए क्योंकि यह दांतों की सुरक्षा करता है और कैविटी बनने से रोकता है।

माउथवॉश का उपयोग करें

माउथवॉश का उपयोग करने से मुंह की दुर्गंध दूर होती है और बैक्टीरिया खत्म होते हैं। माउथवॉश आपके मुंह के उन हिस्सों तक पहुंचता है जहां ब्रश नहीं पहुंच पाता। इसे रोजाना इस्तेमाल करने से मसूड़ों की सूजन कम होती है और सांसें ताजा रहती हैं। ध्यान दें कि माउथवॉश का चयन करते समय उसमें अल्कोहल न हो क्योंकि यह मुंह को सूखा बना सकता है।

चीनी का सेवन कम करें

चीनी हमारे दांतों के लिए हानिकारक होती है क्योंकि यह कैविटी पैदा करती है और दांतों की बाहरी परत को कमजोर कर सकती है। मीठे पेय पदार्थ, चॉकलेट या मिठाइयों का सेवन सीमित मात्रा में ही करें। अगर आप चीनी खाते भी हैं तो उसके बाद पानी पीकर मुंह साफ कर लें या फिर तुरंत ब्रश कर लें ताकि चीनी आपके दांतों पर ज्यादा देर तक न रहे और कैविटी का खतरा कम हो सके।

नियमित रूप से डेंटिस्ट के पास जाएं

हर छह महीने में एक बार डेंटिस्ट के पास जाकर अपने दांतों की जांच करवाना बहुत जरूरी होता है। इससे किसी भी समस्या का पता जल्दी चल जाता है और समय रहते उसका इलाज किया जा सकता है। डेंटिस्ट आपकी ओरल हाइजीन को बेहतर बनाने के सुझाव भी देते हैं, जिससे आप अपने दांत लंबे समय तक स्वस्थ रख सकते हैं। इसके अलावा नियमित जांच से दांतों की सफाई और मसूड़ों की सेहत पर ध्यान दिया जा सकता है।

धूम्रपान और तंबाकू उत्पाद छोड़ें

धूम्रपान और तंबाकू आपके दांतों को पीला कर देते हैं और मसूड़ों की बीमारियां पैदा कर सकते हैं। इनका सेवन छोड़ने से न केवल आपके दांत बल्कि पूरे शरीर पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अगर आपको इन आदतों को छोड़ने में कठिनाई हो रही हो तो किसी विशेषज्ञ या डॉक्टर की सलाह लें ताकि आप इन्हें आसानी से छोड़ सकें। इन उपायों को अपनाकर आप अपने दांतों को लंबे समय तक स्वस्थ रख सकते हैं।

प्रकृति की गोद में बसा मनोहारी झोड़ा जलप्रपात, पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य में पर्यटन के लिए कई मनोहारी स्थल है। प्रदेश की समृद्ध संस्कृति के साथ प्राकृतिक सुंदरता सभी का मन मोह लेती है। छत्तीसगढ़ में घने जंगलों के बीच कल कल बहते झरने इस सर्द ऋतु में पर्यटकों को खासा आकर्षित कर रही हैं। इन्हीं में से एक है झोझा जलप्रपात। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के गौरेला व पेंड्रा के नजदीक प्रकृति की गोद में बसे इस अद्भुत जलप्रपात का नजारा रमणीय है। झोझा जलप्रपात न केवल प्राकृतिक सुंदरता का खजाना है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय समुदायों के विकास का भी उदाहरण बनता जा रहा है।

झोझा जलप्रपात चारों ओर से पर्वतों से घिरा एक मनोहारी जलप्रपात है। लगभग 100 फीट की ऊंचाई से गिरता यह झरना, सर्दियों के सुनहरे मौसम में पर्यटकों के लिए बेहद आकर्षण बन जाता है। यहां का शांत वातावरण, हरे-भरे जंगल, और झरने की गर्जना हर आने वाले का मन मोह लेती है। जनवरी महीना झोझा जलप्रपात घूमने का सबसे अनुकूल समय है। स्थानीय लोग और दूर-दराज के पर्यटक यहां पिकनिक मनाने, झरने में स्नान करने और ट्रेकिंग का आनंद लेने के लिए पहुंचते हैं। एक जनवरी को यहां लगने वाला मेला इस स्थान को और भी खास बना देता है, जहां दूर-दूर से लोग आकर झरने के नज़ारों का लुत्फ़ उठाते हैं।

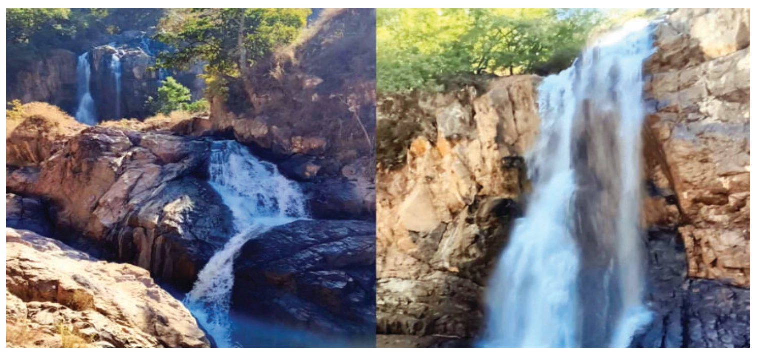

जानिए कैसे पहुंचे झोझा जलप्रपात

झोझा जलप्रपात पहुंचने के लिए सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन पेंड्रा रेलवे स्टेशन है। पेंड्रा से लगभग 32 किमी की दूरी पर घने जंगलों में स्थित है। वहीं सड़क मार्ग से गौरेला और वहां से लगभग 40 किमी की दूरी पर है। पेंड्रा जाने के लिए नियमित ट्रेनों की सुविधा है। दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर के रास्ते कई एक्सप्रेस व पैसेंजर ट्रेनें पेंड्रा जाती हैं। वहीं ट्रेवल्स की गाड़ियां बुक करके भी यहां पहुंचा जा सकता है।

कच्चे रास्तों से ट्रैकिंग का है मजा

झोझा जलप्रपात ट्रेकिंग और कैंपिंग के शौकीनों के लिए भी आदर्श स्थान है। बस्ती बगरा से चार किमी दूर कच्चे रास्तों और एक किलोमीटर पैदल ट्रेकिंग के बाद यहां पहुंचा जा सकता है। झरने के पास दुर्लभ पक्षियों और तितलियों का झुंड, साथ ही जंगली चिरायता, भुई आंवला, और मूसली जैसी औषधीय वनस्पतियां भी देखने को मिलती है।

झरने तक पहुंचने बन रही हैं सीढ़ियां

कलेक्टर लीना कमलेश मंडावी की पहल पर डीएमएफमद से झरने तक पहुंचने के लिए सीढ़ियां बनाई जा रही हैं। स्थानीय ग्रामीणों की समिति झरने और आसपास के क्षेत्र को साफ-सुथरा बनाए रखने में बढ़-चढ़कर सहयोग देती हैं। बीते पांच वर्षों में झोझा जलप्रपात पर पर्यटकों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। अब यह जगह न केवल स्थानीय बल्कि देशभर के पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन चुकी है।

किसानों के जीवन में समृद्धि और खुशहाली की नई कहानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य में किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए संचालित कृषक उन्नति योजना ने ग्रामीण क्षेत्रों में समृद्धि और खुशहाली की नई मिसाल कायम की है। इस योजना के माध्यम से किसानों को न केवल उनकी फसलों का उचित मूल्य मिल रहा है, बल्कि उनकी जीवनशैली में भी बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम रवेली के किसान अगनुराम साहू इसका जीता-जागता उदाहरण हैं।

अगनुराम साहू के पास 15 एकड़ जमीन है, जहां वे धान और अन्य फसलों की खेती करते हैं। इस वर्ष कृषक उन्नति योजना के तहत उन्हें 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान का मूल्य मिलने पर उन्हें 2 लाख 40 हजार रूपए का लाभ हुआ। इसके अलावा, उन्हें बकाया धान का बोनस के रूप में 60 हजार रूपए प्राप्त हुए। इस राशि ने न केवल उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई, बल्कि उनके भविष्य की योजनाओं को भी साकार करने में मदद मिली है। श्री साहू ने बताया कि वे खेती में आधुनिक तकनीकों और नवीनतम यंत्रों का उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने धान की बिक्री से मिली राशि से ट्रैक्टर खरीदा है और अब वे उसकी किस्त चुकाने के साथ ही अपने खेत में सिंचाई के लिए ट्यूबवेल लगाने की योजना बना रहे हैं। इसके अलावा, वे अपने सपने का पक्का मकान बनाने की तैयारी भी कर रहे हैं। श्री साहू को न केवल कृषक उन्नति योजना का लाभ मिला है, बल्कि अन्य सरकारी योजनाओं से भी उनकी जिंदगी बेहतर हो रही है। परीनाला एनीकट के माध्यम से सिंचाई के लिए मोटर पंप पर उन्हें 11 हजार रूपए का अनुदान मिला है। घर में नल-जल योजना से स्वच्छ पेयजल की सुविधा उपलब्ध हुई है। उनकी बहू को महतारी वंदन योजना का लाभ मिला है, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति और बेहतर हुई है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि कृषक उन्नति योजना ने हम किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त किया है। अब हमारे पास न केवल खेती के लिए बेहतर संसाधन हैं, बल्कि हमारी जीवनशैली में भी सुधार हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि शासन की योजनाएं उनके जैसे किसानों के लिए वरदान साबित हो रही हैं। कृषक उन्नति योजना के कारण श्री अगनुराम साहू जैसे किसान अब न केवल अपनी फसल का उचित मूल्य प्राप्त कर रहे हैं, बल्कि अपने परिवार का बेहतर भविष्य गढ़ रहे है। श्री साहू जैसे किसान आज छत्तीसगढ़ की कृषि प्रगति की मिसाल बन गए हैं, और उनकी सफलता अन्य किसानों को भी प्रेरित कर रही है।

राज्य स्तरीय वार्षिक औद्योगिक सर्वेक्षण पर दो दिवसीय कार्यशाला संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय द्वारा वार्षिक औद्योगिक सर्वेक्षण पर दो दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला आज संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता संचालक आर्थिक एवं सांख्यिकी श्रीमती रोक्तिमा यादव ने की।

पहले दिन कार्यक्रम का शुभारंभ रोकक्तिमा यादव, संचालक आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय की अध्यक्षता में हुआ। उद्घाटन सत्र में सोमनाथ जाना निदेशक, भारतीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यशाला में दूसरे दिन के प्रशिक्षण सत्र का संचालन द्वयश्री आर.के. श्रीवास्तव और ओ.पी. साहू वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी (स्स्ह) ने किया। उनके द्वारा औद्योगिक सर्वेक्षण की प्रक्रिया और उसके विभिन्न खंडों की विस्तृत जानकारी दी गई। वहीं व्यावहारिक प्रशिक्षण में सर्वेक्षण के सभी पहलुओं पर चर्चा की गई।

दूसरे दिन के प्रशिक्षण सत्र का मुख्य फोकस सांख्यिकीय अधिनियम 2008 और ब्लॉक डी से जी के तहत लाभ-हानि खातों और बैलेंस शीट से संबंधित जानकारी पर रहा। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को ASI के विभिन्न खंडों, जैसे ब्लॉक ए से सी और ब्लॉक डी से जी से संबंधित जानकारी दी गई।

इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य पंजीकृत विनिर्माण क्षेत्र के आर्थिक आंकड़ों का विस्तृत विश्लेषण करना और राज्य के आर्थिक विकास में उद्योगों के योगदान को समझाना था। कार्यशाला का समापन प्रश्नोत्तरी सत्र और चर्चा के साथ किया गया।

इस कार्यशाला में राज्य के सभी जिलों से आए प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को औद्योगिक सर्वेक्षण के तकनीकी पहलुओं और व्यावहारिक जानकारी से अवगत कराना था।

महतारी वंदन योजना से बांसशिल्प को नया आयाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गरियाबंद जिले की जनजातीय महिलाओं के जीवन में महतारी वंदन योजना ने नई उम्मीदें जगाई हैं। यह योजना न केवल आर्थिक मदद कर रही है, बल्कि परंपरागत बांसशिल्प कला को सशक्त करने और आत्मनिर्भरता की ओर ले जाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कुरूद गांव की कंडरा जनजाति की श्रीमती श्यामा बाई इस योजना की सफलता की मिसाल बन चुकी हैं।

कभी मजदूरी कर मुश्किल से गुजारा करने वाली श्यामा बाई ने योजना से मिलने वाली आर्थिक सहायता का उपयोग अपने पारंपरिक बांसशिल्प व्यवसाय को बढ़ाने में किया। अब उनका परिवार आर्थिक रूप से मजबूत हो रहा है, और उनकी मासिक आय 8,000 रुपए तक पहुंच चुकी है। श्रीमती श्यामा बाई ने बताया कि महतारी वंदन योजना से मिलने वाली प्रतिमाह 1,000 रुपए की राशि उनके व्यवसाय के लिए बहुत फायदेमंद साबित हुई है। इससे वह बांस जैसी

कच्ची सामग्री समय पर खरीद पाती हैं, जिससे उनका काम तेजी से बढ़ा है। पहले उन्हें पैसे की कमी के कारण कम मात्रा में उत्पाद तैयार करने पड़ते थे, लेकिन अब वह टोकरी, बर्तन और सजावटी सामान के साथ-साथ छोटे उत्पाद जैसे सूपा, चुरकी और टोकनी भी बना पा रही हैं। उनके पति भी इस कार्य में सहयोग करते हैं। साथ मिलकर वे अपने उत्पादों को बिचौलियों के माध्यम से गांवों में बेचते हैं। शादी-विवाह के सीजन में बाजारों में दुकान लगाकर अतिरिक्त आय अर्जित करते हैं। इस मदद और मेहनत ने उनकी जिंदगी को एक नई दिशा दी है।

महतारी वंदन योजना के अंतर्गत मिल रही आर्थिक सहायता ने श्यामा बाई और उनके परिवार को आत्मनिर्भर बनाया है। अब उन्हें दूसरों से ऋण लेने की जरूरत नहीं पड़ती, और वह अपने व्यवसाय को कुशलता से चला रही हैं।

उनकी सफलता से अन्य जनजातीय परिवार भी प्रेरित हो रहे हैं और बांसशिल्प जैसे परंपरागत व्यवसायों को नए सिरे से अपनाने की ओर अग्रसर हैं। गरियाबंद जिले में महतारी वंदन योजना जैसे प्रयासों ने यह साबित किया है कि यदि योजनाएं सही तरीके से लागू की जाएं, तो इससे न केवल आर्थिक विकास संभव है, बल्कि पारंपरिक कौशल को भी सहेजा जा सकता है। श्रीमती श्यामा बाई आज आत्मनिर्भरता और परिश्रम की एक मिसाल हैं। उनके प्रयास यह से यह प्रमाणित हुआ है कि कैसे सरकारी योजनाएं जनजातीय समुदायों को प्रगति की मुख्यधारा में लाने का कार्य कर रही हैं।

श्रीमती श्यामा बाई का कहना है कि महतारी वंदन योजना ने हमें आर्थिक मजबूती और आत्मविश्वास दिया है। अब हम अपने कौशल से अपने बच्चों को बेहतर भविष्य दे सकते हैं। उनकी यह सफलता अन्य महिलाओं के लिए अनुकरणीय है।

बांगो मिनीमाता जलाशयः सिर्फ पहचान ही नहीं छत्तीसगढ़ की शान है, जलमग्न दृश्यों को निहारने खींचे चले आते हैं पर्यटक

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले का बांगो जलाशय जिसका अधिकृत नाम अविभाजित मध्यप्रदेश में छत्तीसगढ़ की पहली महिला सांसद मिनीमाता के नाम पर रखा गया है। मिनीमाता हसदेव बाँगो परियोजना प्रकृति के सुरम्य वातावरण के बीच कई ऊंचे पर्वतों के आसपास जलमग्न इस नजारों को देखने यहां हजारों पर्यटक हर साल यहां आते हैं। यहां आकर पर्यटकों की आंखों की पलके तब तक नहीं झपकती जब तक वह इस नयनाभिराम नजारों को अंतिम छोर तक नहीं देख लेता। हालांकि दूर-दूर तक कई किलोमीटर में फैला यह जलमग्न दृश्य हर किसी के आँखों में पूरी तरह से कैद नहीं हो पाता, क्योंकि उनकी नजरें जहाँ तक जा पाती है।

पानी के ठहराव के बीच देखने वालों की आँखे भी वहीं तक ही ठहर जाती है। कोरबा जिले की पहचान और छत्तीसगढ़ की शान मिनीमाता हसदेव बाँगो जलाशय देखने वालों को रोमांचित ही नहीं करती, उन्हें अचंभित भी कर देती है। यहां आना और इन नजारों को करीब से देख पाना किसी सौभाग्य से

कम नहीं, क्योंकि यह खूबसूरती की ही नहीं, लाखों लोगों की प्यास बुझाने के साथ किसानों के खेतो को हरा-भरा बनाकर उनके समृद्धि की भी पहचान है।

कोरबा शहर से लगभग 50 किलोमीटर दूर पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक के अंतर्गत मिनीमाता बाँगो जलाशय छत्तीसगढ़ राज्य में सबसे बड़ा जलाशय की पहचान रखता है। जल संसाधन विभाग के मिनीमाता (हसदेव) बांगो परियोजना अंतर्गत कोरबा जिले में स्थित मिनीमाता बांगो बांध का निर्माण कार्य वर्ष 1992 में पूर्ण हुआ। यह बांध प्रदेश का सबसे अधिक जल भराव क्षमता एवं सबसे ऊँचा बांध है, इस बांध की जल भराव क्षमता 2894.33 मिलियन क्यूबिक मीटर (लाइव स्टोरेज) एवं 3264.33 मिलियन क्यूबिक मीटर (ग्रास स्टोरेज) है साथ ही बांध का डूबान क्षेत्र 185 स्क्वॉयर किलोमीटर है, इस बांध की ऊंचाई नदी के तल से 73 मीटर एवं फाउंडेशन लेवल से 87 मीटर है।

यह बांध तीन महत्वपूर्ण हिस्सों में बना है जो कि 1. रॉक फिल बांध 2. मेसनरी बांध 3. मिटटी बांध है, जिसमे से रॉक फिल बांध 177मीटर, मेसनरी बांध 554.5 मीटर एवं मिटटी बांध 1778 मीटर है। मिनीमाता बांगो बांध की कुल लम्बाई 2509.5 मीटर है। इस परियोजना में 6730 वर्ग किमी जलग्रहण क्षेत्र, बांध का उच्चतम स्तर 366 मीटर, अधिकतम जलाशय स्तर 363.08 मीटर, पूर्ण जलाशय स्तर 359.66 मीटर है। वर्तमान में बांध की सुरक्षा के लिए विभिन्न जटिल कार्यों को सम्बद्ध किया गया है।

यहां बांध के सुरक्षा के लिए जवान लगातार तैनात है और सीसीटीवी से भी निगरानी रखी जा रही है। इस बांध और आसपास के सुंदर नजारों को निहारने के लिए कोरबा जिला ही नहीं अन्य जिले के लोग भी निरन्तर यहां आते हैं। कोरिया जिले से आए पर्यटक परमानंद दास, सुशीला सिंह, माया सिंह ने बांगो बांध का नाम सुना था। उन्हें इस बांध को करीब से देखने की इच्छा थी। यहां आकर जब बांध को देखा तो उन्हें दूर-दूर तक पानी का ऐसा नजारा दिखा जैसे कोई नीला आकाश है। उन्होंने बताया कि वाकई में बांगो बांध को करीब से देख लेना सौभाग्य की बात है।

गांव में स्वरोजगार स्थापित कर आत्म-निर्भरता की ओर अग्रसर हो चुकी गायत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। सफलता की राह पर चलने का पहला कदम है खुद पर विश्वास, ऐसी सोच रखने वाली ग्रामीण कृषक परिवार की गायत्री ठाकुर पिता दलपत सिंह ठाकुर निवासी बड़ेकिलेपाल तहसील बास्तानार एमए व कम्प्यूटर की पढ़ाई पूर्ण होने के बाद गांव में ही स्वरोजगार स्थापित कर स्वयं को आत्मनिर्भर बना चुकी हैं। वहीं दो अन्य युवाओं को रोजगार दे रही हैं। गायत्री ने बताया कि वह ग्रामीणों को कम्प्यूटर कार्य के लिए बाहर ना जाना पड़े यह सोचती थी।

पढ़ाई के बाद उन्होने शासकीय नौकरी तलाशी पर उन्हें सफलता नहीं मिली, फिर जगदलपुर शहर में आकर सीएससी आईडी प्राप्त कर कम्प्यूटर का ज्ञान अर्जन किया व आयुष्मान कार्ड बनाने व कई शासकीय फार्म भरने का कार्य किया। उन्होने अपने गांव में ही च्वाईस सेंटर लगाने की सोची, ताकि स्थानीय लोगों को गांव से

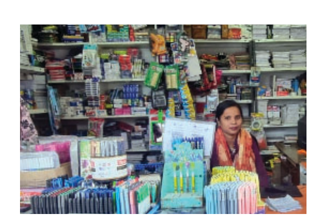

बाहर फार्म व अन्य कम्प्यूटर काम करवाने दूर जाना ना पड़े। लेकिन समस्या पूंजी की थी, तभी उसे शिविर के माध्यम से उद्योग विभाग की स्वरोजगार योजना प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के बारे में जानकारी मिली। तो उसने जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र जगदलपुर आकर अपने स्वरोजगार स्थापित करने की इच्छा जाहिर की और योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन किया और गायत्री को मई 2022 में 02 लाख रुपए बैंक ऑफ बड़ौदा किलेपाल से ऋण राशि स्वीकृत कर वितरित की गई। उन्होनें गांव में ही च्वाईस सेंटर खोला और पूरी मेहनत एवं लगन के साथ अपने कार्य को करने लगीं। क्षेत्र के लोग उसके यहां आयुष्मान कार्ड, श्रमिक कार्ड, ड्रायविंग लाइसेंस, पेन कार्ड इत्यादि बनवाने आते हैं।

गायत्री अपने इस च्वाईस सेंटर काम के साथ बैंक सखी के तौर पर ईलाके के ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाएं दे रही हैं और हर महीने लगभग दो से तीन लाख रुपए का लेनदेन करती हैं। अपने काम के विस्तार को देखते हुए अब वह दो अन्य युवाओं को रोजगार दिया है। गायत्री बताती हैं कि अपने इस स्वरोजगार के जरिए सभी खर्च के बाद उसे महीने में 15 से 20 हजार की रुपए की आमदनी होती है। गायत्री अब आधार पंजीयन तथा जाति-निवास प्रमाण पत्र बनाने के लिए भी जिला प्रशासन से आईडी प्रदान करने आवेदन कर चुकी हैं। जिससे ईलाके के लोगों को उक्त लोक सेवाएं प्रदान कर सके। गायत्री शासन की प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजनांतर्गत सहायता से गांव में ही स्वरोजगार स्थापित कर काफी खुश हैं।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना पथ विक्रेताओं के लिए बनी वरदान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना पथ विक्रेताओं के लिए वरदान साबित हो रही है। सूरजपुर जिले के आनंद सोनी बस स्टैंड में लिट्टी चोखा का ठेला लगाते हैं, जिसके आय से वो अपने परिवार का अच्छी तरह से पालन-पोषण कर रहे हैं। यह आय का जरिया उन्हें प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत मिली है। जिसके लिए उन्होंने पहले 10,000 का ऋण लिया उसके बाद 20,000 हजार रुपए ऋण और इसे भी चुकाने के बाद तीसरे ऋण के रूप में उन्हें 50,000 का ऋण प्राप्त हुआ। उन्होंने बताया कि मैंने प्राप्त राशि से व्यवसाय का विस्तार कर अपनी आय में वृद्धि किया, जिससे मेरी आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति में बहुत बड़ा बदलाव हो गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार जताते हुए कहा कि इस योजना से हम जैसे पथ विक्रेताओं को बड़ी सहायता मिली है। गौरतलब है कि केन्द्र सरकार द्वारा देश के सभी राज्यों में गरीब पथ विक्रेताओं की आय में वृद्धि करने के लिए 1 जून 2020 को पीएम स्वनिधि योजना की शुरूआत की गई है। पीएम स्वनिधि योजना के तहत नगरीय क्षेत्र में पथ विक्रेताओं को जो स्वयं का व्यवसाय स्थापित करना चाहते है या अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाना चाहते प्रथम ऋण के रूप में दस हज़ार द्वितीय ऋण में बीस हज़ार एवं तृतीय ऋण में पचास हज़ार रूपये का ऋण का प्रावधान है।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

नाबालिग को भगा ले जाकर दुष्कर्म करने वाला मंगेली से गिरफ्तार

भिलाई। नाबालिग बालिका को भगा ले जाकर दुष्कर्म करने वाले युवक को जामुल पुलिस ने मुंगेली से गिरफ्तार किया है। आरोपी सुनील बंजारे पिता स्व. गुलाबदास बंजारे (21 वर्ष) ग्राम बुधवारा बंधापारा लोरमी जिला मुंगेली का रहने वाला है। वहीं आपरेशन मुस्कान के तहत नाबालिग बालिका को बरामद करने में पुलिस को सफलता मिली है। मामला जामुल थाने के मुड़पार गांव के इस मामले में आरोपी के खिलाफ धारा 363, 366, 376 भादंवि 4, 6 पास्को एक्ट के तहत अपराध कायम किया गया है।

पुलिस के मुताबिक जामुल थाने के ग्राम मुड़पार निवासी प्रार्थी ने 27 मई 2024 को थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि उनकी नाबालिक बेटी को अज्ञात आरोपी द्वारा बहला फुसला कर भगा ले गया है। प्रार्थी के रिपोर्ट पर थाना जामुल में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला द्वारा आपरेशन मुस्कान के तहत गुम नाबालिक बालक अथवा बालिकाओं को शत प्रतिशत बरामद करने के निर्देश दिया गया है। लिहाजा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर भिलाई सुखनंदन राठौर एवं नगर पुलिस अधीक्षक छावनी हरीश पाटिल के मार्गदर्शन में जामुल पुलिस द्वारा आपरेशन मुस्कान के तहत गुम नाबालिक बालक व बालिकाओं के पता तलाश में लगी हुई थी।

इस दौरान पता चला कि ग्राम मुड़पार की नाबालिक बालिका को आरोपी सुनील बंजारे पिता स्व गुलाबदास बंजारे भगाकर लोरमी जिला मुंगेली में रखा है। सूचना मिलते ही तत्काल जामुल पुलिस टीम गठित कर लोरमी जिला-मुंगेली रवाना किया। नाबालिक बालिका को लोरमी जिला मुंगेली से बरामद किया गया। पीड़िता से पूछताछ करने पर बताया कि आरोपी सुनील बंजारे द्वारा शादी का प्रलोभन देकर भगा ले जाकर दुष्कर्म किया है। प्रकरण में दुष्कर्म के धारा का इजाफा कर आरोपी सुनील बंजारे को गिरफ्तार कर 10 जनवरी को न्यायिक रिमांड में जेल भेजा गया है। इस महत्वपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी जामुल निरीक्षक कपिल देव पाण्डेय, उप निरीक्षक सौमित्री भोई, आरक्षक चन्द्रभान यादव, महिला आरक्षक तोषी गोस्वामी का विशेष योगदान रहा।

निर्माणाधीन इमारत के सातवीं मंजिल से गिरे मजदूर, दो की मौत

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के वीआईपी रोड स्थित एक कॉप्लेक्स के सातवीं मंजिल की सेंट्रिंग गिरने से 11 मजदूर दब गए। इनमें घायल नौ मजदूरों में से दो की इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं सात मजदूरों का इलाज चल रहा है। जबकि दो मजदूर अभी भी मलबे में दबे हुए हैं। कलेक्टर गौरव सिंह ने इसकी पुष्टि की है। घटना तेलीबांधा थाना क्षेत्र की है।

इस घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। नौ घायल मजदूरों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां इलाज के दौरान दो मजदूरों की मौत हो गई। बताया जाता है कि वीआईपी रोड स्थित अविनाश एलिगेंस की निर्माणाधीन रेसिडेंशियल कॉप्लेक्स की सेंट्रिंग गिरने से 11 मजदूर दब गए। इनमें से नौ को बाहर निकालकर अस्पताल भेज दिया गया है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस प्रशासन और आपदा प्रबंधन की टीम मौके पर मौजूद हैं। सभी राहत और बचाव कार्य में लगे हुए हैं।

गरियाबंद कलेक्टर की कार्रवाई : 36 स्कूलों के प्राचार्यों सहित फिंगेश्वर के बीईओ और बीआरसीसी को नोटिस

खराब परिणाम के मामले में कलेक्टर ने की कार्रवाई, टीडी हायर सेकेंडरी स्कूल प्राचार्य हटाए गए

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गरियाबंद जिले के हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूलों के अर्द्धवार्षिक परीक्षा परिणामों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने कड़ी कार्रवाई की है। जिला पंचायत सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में परीक्षा परिणामों की समीक्षा की गई। इस दौरान खराब प्रदर्शन वाले स्कूलों के प्रति नाराजगी जाहिर करते हुए कलेक्टर ने टीडी हायर सेकेंडरी स्कूल फिंगेश्वर के प्राचार्य को तत्काल हटाने और 36 स्कूलों के प्राचार्यों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर के निर्देश पर फिंगेश्वर के बीईओ और बीआरसीसी को मॉनिटरिंग में लापरवाही के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि बोर्ड परीक्षा में शत-प्रतिशत परिणाम सुनिश्चित करने के लिए सभी प्राचार्यों और शिक्षकों को गंभीरता से प्रयास करना होगा। गौरव गरियाबंद अभियान का उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना और कक्षा 10वीं व 12वीं के विद्यार्थियों को सफलता दिलाना है।

समीक्षा बैठक में डी ग्रेड प्राप्त 36 स्कूलों के प्राचार्यों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इनमें फिंगेश्वर, छिंदौला, नागाबुड़ा, बकली, कौंदकेरा, सिवनी और राजिम सहित अन्य स्कूल शामिल हैं। अर्द्धवार्षिक परीक्षा में ए ग्रेड प्राप्त स्कूलों के प्राचार्यों को प्रशस्ति पत्र देने के लिए निर्देशित किया गया। इनमें शासकीय कन्या विद्यालय देवभोग, शासकीय हाई स्कूल बजाड़ी, सेजेस फिंगेश्वर और अन्य स्कूल शामिल हैं।

कलेक्टर ने सभी शिक्षकों को नियमित रूप से विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देने और कमजोर विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षाएं लगाने का निर्देश दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि खराब परिणाम वाले शिक्षकों और संस्था प्रमुखों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने बताया कि मार्च के पहले सप्ताह में बोर्ड परीक्षा प्रारंभ होगी। परीक्षा परिणाम सुधारने के लिए शिक्षकों को प्रश्न बैंक के आधार पर विद्यार्थियों को तैयारी कराने के निर्देश दिए गए हैं। इस बैठक में संयुक्त कलेक्टर राकेश कुमार गोलछा, जिला शिक्षा अधिकारी एके सारस्वत, डीएमसी के.एस. नायक, गौरव गरियाबंद अभियान के नोडल अधिकारी और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कन्स्ट्रक्शन एरिया से सेंट्रिंग प्लेट और मिक्कर मशीन चुरा ले जाते थे शातिर, बेचने की फिराक में धरे गए

पांच आरोपियों से 295 लोहे की सेंट्रिंग प्लेट व चार मिक्कर मशीने बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। निर्माणाधीन मकान व अन्य कन्स्ट्रक्शन एरिया से सेंट्रिंग प्लेट व मिक्कर मशीनें चुराने वाले शातिर चोरों को पकड़ने में दुर्ग पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस ने दुर्ग के रहने वाले पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया है। चोरी की सेंट्रिंग प्लेट व मिक्कर मशीन बेचने के लिए ग्राहक की तलाश करते यह चोर पुलिस की पकड़ में आए। पुलिस ने इस चोरों के पास से अलग अलग क्षेत्रों से चुराए गए 295 लोहे का सेन्ट्रिग प्लेट व 4 कांक्रिट मिक्कर मशीन बरामद किया है।

ई-रिक्शा से ले जाते थे सारा सामान

पूछताछ में प्रकाश उर्फ छोटू ने बताया कि उसने किराये से सवारी ई-रिक्शा लिया है, उसी के ई-रिक्शा से रेकी करते थे। चलती-फिरते माल वाहक वाहन जिसके ड्राईवर व वाहन नंबर नहीं जानते थे ऐसी गाड़ियों को भाडे पर लेकर सेन्ट्रिग प्लेट डालकर तथा कांक्रिट मिक्कर मशीनों को वाहन के पीछे बांधकर खिंचते थे। चोरी के बाद सामान बेचने के लिए अलग अलग स्थानों पर छिपाकर रखते थे।

इन क्षेत्रों से की थी चोरियां

थाना नेवई क्षेत्र से मैत्री कुंज सड़क 10 निर्माणाधीन मकान से 60 नग सेन्ट्रिग प्लेट, दयानगर गैस एजेन्सी के पास से 160 नग सेन्ट्रिग प्लेट, थाना भिलाई नगर क्षेत्र से 02 नग कांक्रिट मिक्कर मशीन, थाना पद्मनाभपुर क्षेत्र राजेन्द्र पार्क के पास एवं आरटीओ ऑफिस के पास से 02 नग कॉक्रिट मिक्कर मशीन एवं राजवाडा पैलेस बनोरा के पास से 35 नग लोहे का सेन्ट्रिग प्लेट एवं थाना पुलगांव क्षेत्र ग्राम चंदखुरी रामेश्वर चंद्राकर के मकान के सामने से 40 नग लोहे का सेन्ट्रिग प्लेट चोरी की। आरोपियों के निशानदेही पर 295 नग लोहे का सेन्ट्रिग प्लेट एवं 04 नग कांक्रिट मिक्कर मशीन एवं घटना में प्रयुक्त ई-रिक्शा जुमला कीमती 5 लाख, 70 हजार रुपए जब्त किया गया।

दरअसल पुलिस को लगातार ऐसी चोरियों की शिकायतें मिल रही थी जिसमें निर्माणाधीन मकानों के क्षेत्र से बड़ी मात्रा में सेंट्रिंग प्लेट्स एवं कांक्रिट मिक्कर मशीन चोरी हो रही हैं। पुलिस के पास अलग अलग थाना क्षेत्रों में ऐसी शिकायतें मिल रही थी। इन मामलों की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला द्वारा आरोपियों की शीघ्र पतासाजी कर माल बरामदगी का निर्देश दिया गया। इसके बाद अलग अलग टीमों को इन चोरों की तलाश में लगाया गया।

आरोपियों की पता तलाश के दौरान मुखबिर से जानकारी मिली कि पांच युवक लोहे का सेंट्रिंग प्लेट एवं कांक्रिट मिक्कर मशीन बेचने के फिराक में ग्राहक का तलाश में लगे है। सूचना के बाद स्टेशन मरोदा ब्रिज के पास पांचों को घेराबंदी कर पकड़ा गया। हिरासत में लेकर पांचों से पूछताछ करने पर इन युवकों ने अपना नाम प्रकाश गुप्ता, चेतन यादव, टीकम शर्मा, शंकर साहू, व भरत सार्वा बताया। युवकों ने बताया कि अलग-अलग स्थान से 295 लोहे की सेंट्रिंग प्लेट व 4 नग मिक्कर मशीनें चुराई।

कार्रवाई में इनकी भूमिका रही सराहनीय

उक्त कार्यवाही में एसीसीयू से एएसआई नरेन्द्र सिंह राजपूत, प्रधान आरक्षक मेघराज चेलक, पंकज चतुर्वेदी, आरक्षक चित्रसेन साहू, राजकुमार चन्द्रा, रोहन दुबे एवं थाना पद्मनाभपुर से उप निरीक्षक महेश्वर देवांगन, नरहर सिंह, एएसआई मौरा वर्मा, थाना पुलगांव से एएसआई चंद्रशेखर सोनी, थाना नेवई से प्रधान आरक्षक यशवंत ठाकुर, प्रधान आरक्षक भागवत वर्मा, आरक्षक रवि मरकाम, थाना भिलाई नगर से प्रधान आरक्षक सीपी ठाकुर, सतीश पाण्डेय की भूमिका उल्लेखनीय रही।

पकड़े गए आरोपी में प्रकाश गुप्ता पिता कुंज बिहारी गुप्ता उम्र 32 साल साकिन डीपरा पारा मुकुन्द भवन, थाना दुर्ग, जिला दुर्ग (छ.ग.), चेतन यादव पिता उदेराम यादव, उम्र 19 साल, साकिन लखन प्लाट के पास दामाद पारा उरला, थाना मोहन नगरजिला दुर्ग (छ.ग.), टीकम शर्मा पिता मनोज शर्मा उम्र 28 साल, साकिन पोषण किराना स्टोर के पास मठपारा, दुर्ग, थाना दुर्ग, जिला दुर्ग (छ.ग.), शंकर साहू पिता अवध राम साहू उम्र 27 साल, साकिन इंदिरा नगर, हनुमान मंदिर के पास, बघेरा, थाना दुर्ग,जिला दुर्ग (छ.ग.), भरत सार्वा पिता मंगल सिंह सार्वा उम्र 24 साल, वार्ड नं. 3, मठपारा, थाना दुर्ग, जिला दुर्ग (छ.ग.) शामिल हैं।

धान खरीदी केन्द्रों में गड़बड़ी: पांच केन्द्रों में लाखों की हेराफेरी

1704 क्विंटल धान जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। जिले में धान खरीदी केन्द्रों के भौतिक सत्यापन के दौरान 5 केन्द्रों में 52.84 लाख रुपये मूल्य का 1704 क्विंटल धान अधिक पाए जाने का मामला सामने आया है। कलेक्टर अवनीश शरण के निर्देश पर गठित राजस्व, खाद्य और सहकारिता विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए धान को जब्त कर लिया है और समिति के जिम्मेदार पदाधिकारियों के विरूद्ध प्रकरण बनाया गया है।

जिला खाद्य अधिकारी अनुराग भदौरिया ने बताया कि धान खरीदी के अंतिम दिन तक सत्यापन की यह प्रक्रिया जारी रहेगी। पिछले दो दिनों में एक दर्जन से अधिक केन्द्रों का निरीक्षण किया गया, जिनमें पांच केन्द्रों में अनियमितताएं पाई गईं। बोदरी उपार्जन केन्द्र में 240 क्विंटल, गनियारी में 681 कट्टी, सोन (पचपेड़ी) में 500 कट्टी, कौडिया (सीपत) में 230 क्विंटल और बोडसरा (बोदरी) में 762.6 क्विंटल धान अधिक पाया गया। इन सभी मामलों में धान को जब्त कर समिति के पदाधिकारियों के खिलाफ प्रकरण तैयार किया गया है।

जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने सभी केन्द्रों में उपलब्ध धान बोरों की गणना, रैंडम वजन और ऑनलाइन दर्ज आंकड़ों से मिलान किया। सत्यापन में गड़बड़ी पाए जाने पर तुरंत कार्रवाई की गई। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा है कि धान खरीदी के दौरान किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी अधिकारियों के खिलाफसख्त कार्रवाई की जाएगी।

दो महिला सहित नौ नक्सलियों ने किया सरेंडर

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में पुलिस व सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। छत्तीसगढ़ शासन की छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन एवं पुनर्वास नीति एवं ''नियद नेल्ला नार योजना से प्रभावित होकर नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। दो महिलाओं सहित नौ नक्सलियों ने सरेंडर किया है। सरेंडर करने वाले नक्सलियों पर कुल 43 लाख रुपए का इनाम घोषित है। मिली जानकारी के अनुसार नक्सलियों को आत्मससमर्पण के लिए प्रोत्साहित कराने में जिला पुलिस बल कोंटा, डीआरजी, नक्सल सेल आसूचना शाखा टीम एवं 02, 223 वाहिनी सीआरपीएफ आसूचना शाखा की विशेष भूमिका रही है।

नाम परिवर्तन

// शपथ-पत्र //

मैं राजू कुमार उम्र- 45 साल, पिता राधा कृष्ण प्रसाद निवासी शासकीय स्कूल के पास पुरानी बस्ती कोहका भिलाई जिला दुर्ग छ.ग. का हूँ जो कि निम्नलिखित कथन प्रस्तुत करता हूँ :-

01. यह कि मै उपरोक्त दर्शाये गये पते पर निवास करता हूँ ।

02. यह कि मेरे पुत्र चिराग गुप्ता जिसका जन्म दिनांक 18.11.2010 है जिसका जन्म प्रमाण पत्र जन्म-मृत्यु कार्यालय नगर पालिक निगम भिलाई से जारी किया गया है जिसका पंजीकरण संख्या 0201011008013376 दिनांक 20.12.2010 है।

03. यह कि पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में उसकी माता का नाम संजू गुप्ता (SANJU GUPTA) दर्ज है। जो घरेलु नाम था ।

04. यह कि पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में उसकी माता का नाम डिम्पल गुप्ता (DIMPLE GUPTA) दर्ज करवाना चाहती हूँ जो कि आधार संख्या 9737 2199 6319 में दर्ज है इस संबंध में किसी प्रकार की कोई आपत्ति होने पर उसकी संपूर्ण जवाबदारी मेरे स्वयं की होगी जिसके समर्थन में शपथपत्र प्रस्तुत करना है।

शपथकर्ता

सत्यापन:-मै शपथकर्ता यह सत्यापित करता हूँ कि शपथपत्र की कंडिका-01 से 04 तक में दी गई जानकारी मेरे निजी ज्ञान एवं विश्वास से सत्य है अत: आज दिनांक को स्थान दुर्ग में पढ व समझकर अपना हस्ताक्षर कर दिया हूँ।

शपथकर्ता

सूरजपुर में ट्रिपल मर्डर : 23 आरोपी गिरफ्तार, सरसो बोने पहुंचा था परिवार और दबंगों ने कर दी हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले के दिल दहलादेने वाले हत्याकांड में पुलिस ने कुल 23 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जमीन में विवाद में यहां के एक पत्रकार के परिवार के तीन लोगों की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। परिवार के लोग जमीन पर सरसो बाने पहुंचे थे और इसके बाद विवाद हुआ। आरोपी मृतकों के रिश्तेदार ही हैं। घटना के एक दिन पहले खड़गवां थाने में दोनों पक्षों के बीच समझौता भी हुआ था। इसके बाद भी इस जघन्य हत्याकांड को अंजाम दिया गया।

बता दें जिले के जगन्नाथपुर गांव में संयुक्त खाते की जमीन को लेकर परिवार के दो पक्षों में विवाद था। मामला प्रतापपुर के न्यायालय में विचाराधीन था। इसमें डिग्री माघे टोप्पो के पक्ष में मिली थी। गुरुवार को माघे टोप्पो के परिवार और उनके तीन भाइयों के साथ खड़गवां थाने में पुलिस के सामने समझौता हुआ था कि उस जमीन पर माघे टोप्पो का परिवार खेती कर सकता है।

शुक्रवार को विवादित भूमि पर उमेश टोप्पो, नरेश टोप्पो (30) अपनी मां बसंती टोप्पो (55) और पिता माघे टोप्पो (57) के साथ खेती करने पहुंचे थे। वे उक्त जमीन पर सरसों बोने के लिए जुताई करा रहे थे। इसकी जानकारी दूसरे पक्ष को मिली तो दोपहर में माघे टोप्पो के भतीजों सहित करीब 20 लोगों ने हमला कर दिया। आरोपियों ने लाठी-डंडे से चारों को दौड़ा-दौड़ाकर मारा। तीनों ने भागने की कोशिश की, लेकिन आरोपियों ने उन पर कल्हाड़ी से हमला कर दिया।

नरेश टोप्पो, बसंती टोप्पो और माघे टोप्पो के सिर पर ढाई-ढाई इंच के गड्ढे मिले हैं। नरेश टोप्पो और बसंती टोप्पो की मौके पर मौत होने से हमलावर डरकर भाग निकले। उमेश टोप्पो पर भी हमला हुआ, लेकिन उसने भागकर जान बचाई और अपने भाई पत्रकार संतोष टोप्पो को घटना की सूचना दी। आरोपियों के खिलाफ धारा 61(2), 115(2), 190, 191(3), (103) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया।

अब इस मामले में पुलिस ने कुल 23 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरापियों में राजकुमार (62), मंधारी राम (60), रामधनी (48), बिहारी (60), रोवन (50), सियाराम (58), धरमसाय (70), अनुकलाल (45), उजेन्द्र उर्फ उजर (35), बिरेन्द्र टोप्पो (29), प्रदीप टोप्पो (30), नरेन्द्र टोप्पो (30), सम्मू (37), महाजन टोप्पो (26), दिवालसाय टोप्पो (26), कमलेश टोप्पो (32), अमेन्द्र कुमार (46), प्रकाश टोप्पो (23), गुंजा राम (32), रामप्रसाद टोप्पो (37), बाबूलाल (60), बुच्ची उर्फ बैशाखो (22) जसिंता टोप्पो (22) सभी निवासी ग्राम केरता डुबकापारा सहित अन्य शामिल हैं।

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

मुख्यमंत्री साय ने 10 डी-स्लज वाहनों को दिखाई हरी झंडी

प्रधानमंत्री मोदी की स्वच्छ भारत मिशन की संकल्पना छत्तीसगढ़ में हो रही है साकार : मुख्यमंत्री साय

सरपंच और सचिवों को डी-स्लज वाहनों की सौंपी चाबी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ग्रामीण क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने और स्वच्छता को बढ़ाने के उद्देश्य से आज अपने निवास परिसर से 10 डी-स्लज वाहनों को हरी झंडी दिखाई। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत जिस उद्देश्य के साथ की थी, वह छत्तीसगढ़ में अब साकार हो रहा है। स्वच्छता को लेकर जनमानस में व्यापक चेतना आई है और करोड़ों परिवारों में शौचालयों का निर्माण हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदृष्टि और इच्छा शक्ति से यह संभव हो पाया है।हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के स्वच्छ एवं विकसित राष्ट्र का संकल्प छत्तीसगढ़वासियों के लिए भी एक महत्वपूर्ण लक्ष्य है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमारा प्रदेश हर दिन नये पड़ावों को पार करता हुआ छत्तीसगढ़ को ओडीएफ प्लस मॉडल राज्य बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

यह सिर्फ एक लक्ष्य नहीं है स्वच्छता की जीवन शैली है, जिससे हमारा विकास होगा, देश का विकास होगा। अब तक हमारे प्रदेश के 5 जिले, 58 विकासखंड और 16 हजार से अधिक गांव ओडीएफप्लस मॉडल हो चुके हैं। मुख्यमंत्री साय ने स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत किए गए पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के स्तर को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेश के 10 विभिन्न जिलों के ग्राम पंचायत के सरपंच और सचिवों को डी-स्लज वाहनों की चाबी और दस्तावेज सौंपे। उल्लेखनीय है कि इन वाहनों का उपयोग गांवों में घरों से मल निकालने और उसे सुरक्षित तरीके से निपटाने के लिए किया जाएगा।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) शासन का एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम

गौरतलब है कि स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) शासन का एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है और छत्तीसगढ़ स्वच्छता कार्यक्रमों में सदैव अग्रणी रहा हैं। मिशन के फेज 1 में प्रदेश ने 32 लाख से भी अधिक शौचालयों का निर्माण कर राष्ट्रीय लक्ष्य को समय पूर्व प्राप्त कर खुले में शौचमुक्त राज्य होने का कीर्तिमान रचा। मिशन के फेज- 02 में ओ.डी.एफ. प्लस मॉडल राज्य के तौर पर स्थापित होने के क्रम में प्रदेश के 05 जिले दुर्ग, कबीरधाम, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, जांजगीर-चांपा एवं धमतरी जिले के 57 विकासखंड तथा 16 हजार से अधिक गांव ओ.डी.एफ. प्लस मॉडल हो चुके हैं। इसी कड़ी में शौचालयों से निकलने वाले मल के सही निपटान के उद्देश्य के साथ प्रदेश के सभी जिलों में फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण किया जा रहा है। इन फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट में आसपास के गांवों के सेप्टिक टैंक से निकलने वाले मल को उपचारित किया जाएगा। सेप्टिक टैंक भरने पर संबंधित परिवार या संस्थान इन प्लांट से संपर्क कर टैंक खाली करने के लिए डी-स्लज वाहन बुलवाएंगे, जिसके लिए दूरी के आधार पर उचित उपभोक्ता शुल्क का निर्धारण किया जावेगा। वर्तमान में प्रदेश मे 19 फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण हो चुका है।

यह पहल स्वच्छता और स्वास्थ्य सुधार की दिशा में बड़ा कदम

इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह पहल स्वच्छता और स्वास्थ्य सुधार की दिशा में बड़ा कदम साबित होगा। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में गंदगी के कारण फैलने वाली बीमारियों पर अंकुश लगाया जा सकेगा। उन्होंने जनता से भी स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग की अपील की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट भी स्थापित किए जा रहे हैं, जो मल-मूत्र प्रबंधन को सुदृढ़ करेंगे और पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक होंगे। उन्होंने कहा कि इस नई पहल के तहत राज्य सरकार स्वच्छता अभियानों को और प्रभावी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

गांव के विकास में सरपंच की भूमिका अहम

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि गांव के विकास में सरपंच की भूमिका सबसे अहम है। मैं पहले पंच रहा, फिर अच्छा काम करने की वजह से मुझे निर्विरोध सरपंच भी चुना गया। उन्होंने कहा कि यह बताने की वजह सिर्फ एक ही है कि ग्राम पंचायत विकास की सबसे प्राथमिक कड़ी है और पंच तथा सरपंच यदि अपने अधिकार और जिम्मेदारियों के प्रति सजग होंगे तो गांव की तस्वीर बदलने में समय नहीं लगेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार स्वच्छता को व्यापक रूप से लागू करने के लिए लगातार प्रयासरत है। डी-स्लज वाहनों के मिलने से ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत लोगों को लाभ मिलेगा।

इन जिलों को मिले डी स्लज वाहन

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ग्राम पंचायत बिरकोनी जिला महासमुन्द, ग्राम पंचायत टेमरी जिला रायपुर, ग्राम पंचायत सारंगपुर कला जिला कबीरधाम, ग्राम पंचायत गम्हरिया जिला जशपुर, ग्राम पंचायत कोतरी जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़, ग्राम पंचायत लगरा जिला जांजगीर-चांपा, ग्राम पंचायत परसदा वेद जिला बिलासपुर, ग्राम पंचायत रूदा जिला बालोद, ग्राम पंचायत झझपुरी कला जिला मुंगेली, ग्राम पंचायत पथरिया जिला दुर्ग को डी स्लज वाहन हस्तांतरित किया। इस अवसर पर विधायक गुरु खुशवंत साहेब, प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग निहारिका बारिक सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव पी. दयानंद, मिशन संचालक स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) जयश्री जैन, आईसीआईसीआई बैंक के स्टेट हेड विवेकानंद दुबे, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950